लखनऊ

शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024
वर्ष : 10 | अंक: 91
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

जब तक आप चीजों को अलग तरीके से नहीं देखते तब तक आप उसे अलग तरीके से नहीं कर सकते।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi
NIGHT 27° Low

संक्षेप

जापान के प्रधानमंत्री इशिबा ने संसद के निचले सदन को किया भंग, 27 अक्तूबर को होगा चुनाव

जापान। जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने बुधवार को बड़ा कदम उठाते हुए संसद के निचले सदन को भंग करने का ऐलान कर दिया. अब जापान में 27 अक्टूबर को चुनाव होना तय हो गया है। निचले सदन को भंग करने के बाद प्रधानमंत्री ने लोगों से सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति समर्थन की उम्मीद जताई। वहीं, विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव समय से बहुत पहले कराया जा रहा है। शिगेरू इशिबा पिछले सप्ताह ही प्रधानमंत्री बने थे। भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोप के बाद फुमियो किशिदा ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने तीन सालों तक पार्टी का नेतृत्व किया था। यह चुनाव समय से पहले हो रहा है और इशिबा का निचले सदन में बहुमत हासिल हासिल करना मुख्य लक्ष्य है। इसके साथ ही शिगेरू इशिबा ने पार्टी नेतृत्व के लिए वोट जीतने की प्लानिंग शुरू कर दी है और अपनी योजना का ऐलान किया है। बुधवार को मंत्रिमंडल ने चुनाव की तारीख की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इलेक्शन के लिए चुनाव प्रचार अगले मंगलवार से शुरू होगा। इशिबा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों की सहानुभूति और समझ के बिना राजनीति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि शांति और स्थिरता में योगदान देने के लिए कूटनीति और रक्षा को संतुलित करना उनकी प्राथमिकता होगी। प्रधानमंत्री इशिबा दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए गुरुवार को लाओस जाएंगे। उस दौरान वह कई देशों के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत भी करेंगे। जापानी मीडिया का कहना है कि प्रधानमंत्री के रूप में इशिबा की सार्वजनिक समर्थन रेटिंग केवल 50 प्रतिशत या उससे कम थी। यह किसी नए नेता के लिए सबसे कम स्तर है। इससे पहले संसद में अपने भाषण में उन्होंने एक मजबूत क्षेत्रीय सैन्य ढांचे और एक अधिक समान जापान-अमेरिका सुरक्षा गठबंधन पर जोर दिया था।

भारत के विरोध के बाद ब्रिटेन में नगा खोपड़ी की नीलामी रुकी, नगालैंड में विरोध प्रदर्शन के बीच लिया फैसला

लंदन। ब्रिटेन के एक नीलामी गृह ने बुधवार को अपने 'नगा मानव खोपड़ी' को 'लाइव ऑनलाइन बिक्री' की सूची से हटा लिया। उसने इस मुद्दे पर भारत के विरोध के बाद यह कदम उठाया। ऑक्सफोर्डशायर के टेस्ट्सवर्थ में स्वॉन नीलामी गृह के पास उसके 'द क्यूरियस कलेक्टर सेल, एंटीक्वेरियन बुक्स, मैनुस्क्रिप्ट्स एंड पेंटिंग्स' के तहत दुनियाभर से प्राप्त खोपड़ियों व अन्य अवशेषों का संग्रह है। '19वीं शताब्दी की सींग युक्त नगा मानव खोपड़ी, नगा जनजाति' को बिक्री के लिए सूची में लॉट नंबर 64 पर रखा गया था। इसकी बिक्री को लेकर नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने विरोध जताया था और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस बिक्री को रोकने में दखल की मांग की थी। रियो ने अपने पत्र में लिखा, ब्रिटेन में नगा मानव खोपड़ी की नीलामी के प्रस्ताव की खबर ने सभी वर्ग के लोगों पर नकरात्मक असर डाला है क्योंकि हमारे लोगों के लिए यह बेहद भावनात्मक और पवित्र मामला है।

हम शांतिप्रिय देश हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21वें आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार को लाओस पहुंचे। जहां पीएम मोदी ने आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि 21वीं सदी 'एशियन सेंचुरी' भारत और आसियान देशों की सेंचुरी है। आज जब विश्व के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव की स्थिति है तब भारत और आसियान की मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग बहुत ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम एक-दूसरे के पड़ोसी हैं, ग्लोबल साउथ के साथी-सदस्य हैं और विश्व में तेज गति से ग्रो करने वाला क्षेत्र हैं। हम शांति-प्रिय देश हैं, एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज, आसियान परिवार के साथ, इस बैठक में ग्यारहवीं बार भाग लेते हुए मैं गौरवांवित महसूस कर रहा हूं। दस वर्ष पहले, मैंने भारत की 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी की घोषणा की थी। पिछले एक दशक में, इस नीति ने भारत और आसियान देशों के ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है। पिछले वर्ष, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए मैरीटाइम एक्सरसाइज की शुरुआत की गई है। पिछले 10 वर्षों में आसियान क्षेत्र के साथ हमारा व्यापार लगभग दोगुना होकर 130 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज सात आसियान देशों के साथ भारत से डायरेक्ट फ्लाइट कनेक्टिविटी है और शीघ्र ही ब्रुनेई के साथ भी सीधी उड़ानें शुरू होंगी। तिमोर लेस्ते में हमने नया दूतावास खोला है। आसियान क्षेत्र में, सिंगापुर पहला देश था, जिसके साथ हमने फिनटेक कनेक्टिविटी स्थापित की। अब यह सफलता अन्य देशों में भी दोहराई जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि लाओ, कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार, इंडोनेशिया में साझी विरासत और धरोहर के संरक्षण के लिए काम किया गया है। कोरोना महामारी हो या फिर प्राकृतिक आपदा, मानवीय दायित्व उठाते हुए हमने एक-दूसरे को सहायता दी है। आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए, मैं लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री सोनसाय सिपानदोन को हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि आज की हमारी बैठक, भारत और आसियान साझेदारी में नए आयाम जोड़ेगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यहां के प्रमुख रॉयल थिएटर ऑफ लुआंग प्रबांग में रामायण का मंचन भी देखा। इसे 'फरा लक फरा राम' के नाम से भी जाना जाता है। कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी ने रामायण के कलाकारों से मंच पर मुलाकात भी और उनके संग फोटो भी खिंचवाई।

ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में : मुख्यमंत्री योगी

एमपीआईटी गोरखपुर के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से सीएम योगी ने किया संवाद

आर्यावर्त क्रांति

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी।

सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल-इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई-लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीकी पर फोकस करने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए।

पांच साल में यूपी का टॉप इंस्टिट्यूट बनाएं एमपीआईटी को

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1956 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने पहला पॉलिटेक्निक शुरू किया था। आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक प्रदेश के टॉप पोलिटेक्निक्स में से एक है। इसी प्रेरणा से हमें मिलकर महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) को आने वाले पांच साल में यूपी का टॉप इंस्टिट्यूट बनाना है। इसके लिए आवश्यक है कि संस्था को इंडस्ट्री से जोड़ा जाए और युवाओं को सतत स्किल्ड बनाया जाए।

रोजगार का बड़ा हब बन रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज के तकनीकी दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का हब बनने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। इसमें सीधे निवेश के साथ कई गुना चक्रीय निवेश भी हो रहा है। इसके अनुरूप प्रशिक्षित श्रम उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जिम्मेदारी तकनीकी संस्थाओं की है।

एमपीआईटी परिसर में बन रहा पूर्वी यूपी का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

सीएम योगी ने कहा कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनियाभर में विख्यात सिलिकॉन वैली में भारत का दबदबा है और इसमें उत्तर प्रदेश के युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन वैली, हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में तीव्रतम गति से आगे बढ़ना है। इसी लक्ष्य को लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में स्थापित हो रहा है। विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी उत्तर प्रदेश के पंद्रह अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया किएमपीआईटी परिसर के अलग-अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, समेत कई एकीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। ग्लोबल स्टैंडर्ड के पाठ्यक्रम से जुड़कर विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग-सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे।

ग्लोबल डिमांड के अनुरूप तैयार हों पाठ्यक्रम

संवाद कार्यक्रम में सीएम योगी ने फैकल्टी का आह्वान किया कि वे ग्लोबल मार्केट की डिमांड का अध्ययन करें और उसके अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करें। हमारा जोर मॉडर्न एज कोर्सेज पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी इस पर खासा काम कर रही है। यदि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यदि हम मॉडर्न एज कोर्सेज पर फोकस करेंगे तो यह शत प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी होगी।

छात्रों के प्रश्नों पर सीएम ने किया मार्गदर्शन

एमपीआईटी के प्रथम बैच के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों में ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी, रोजगार आदि विषय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रश्न भी किए। सीएम योगी ने सभी के प्रश्नों पर अपना मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल भी उपस्थित रहे।

भारत में इस्लामिक स्टेट कायम करने का सपना देखने वाले संगठन पर गृह मंत्रालय का सख्त एक्शन, हिज़्ब-उत-तहरीर पर लगा बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने वैश्विक पैन-इस्लामिक कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर को 'प्रतिबंधित संगठन' घोषित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जिहाद के माध्यम से लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है। गृह मंत्रालय ने भी HuT को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। ऐसा तब हुआ जब तमिलनाडु हिज्ब-उत-तहरीर मामले के संबंध में कई व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने के प्रयास शामिल थे। बुधवार को अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एचयूटी संगठन के 'नकीब' या राज्य 'अमीर' फैजुल रहमान को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार सदस्य कथित तौर पर संगठन के केंद्रीय मीडिया कार्यालय के आदेश पर गुप्त और एनक्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने अनुयायियों के बीच एचयूटी की हिंसक विचारधारा फैला रहे थे। एनआईए के एक बयान में कहा गया, आरोपी ने कई समूहों के बीच हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा को फैलाने के लिए कई गुप्त बैठकें की थीं और पूरे तमिलनाडु में विभाजनकारी अभियान चलाया था। एनआईए ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जो कथित तौर पर चरमपंथी, कट्टरपंथी और मौलिक संगठन से प्रभावित थे जो इस्लामी खिलाफत स्थापित करने और इसके संस्थापक तकी अल-दीन अल-नभानी द्वारा लिखित संविधान को लागू करने की कोशिश कर रहे थे।

राजस्थान सरकार पर सचिन पायलट का वार, बोले- चरमरा गई है कानून व्यवस्था, चरम पर नौकरशाही

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान की भजनलाल सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि राजस्थान में नौकरशाही हावी हो चुका है। आम लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के 10 महीनों में, आम चुनाव हो चुके हैं, कानून व्यवस्था चरमरा गई है, नौकरशाही चरम पर है। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है, सीएम अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं, और यह भ्रम केवल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। उपचुनाव को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि जब भी राजस्थान में उपचुनाव की घोषणा होगी।

ट्रम्प टॉवर के निवासियों को वादा कर नहीं दी गई निजी जेट में फ्री उड़ान, हाई कोर्ट पहुंचा मामला

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के आलीशान ट्रम्प टॉवर के लगभग 25 निवासियों ने बिक्री समझौते में उल्लिखित निवासियों को निजी जेट में 10 घंटे की मुफ्त उड़ान नहीं देने के लिए इमारत के डेवलपर्स के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मैक्रोटेक डेवलपर्स (पहले लोढ़ा ग्रुप के नाम से जाना जाता था) ट्रम्प टॉवर मुंबई के डेवलपर्स हैं, जो एक 75 मंजिला अल्ट्रा-शानदार आवासीय इमारत है। निवासियों को विशिष्ट व्हाइट-ग्लव सेवा तक विशेष पहुंच का आनंद मिलता है, जबकि विशेष 24/7 निजी व्यायामशाला विश्व स्तरीय फिटनेस आहार प्रदान करती है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस आरिफ डॉक्टर की अदालत में हुई। मैक्रोटेक डेवलपर्स की ओर से पेश वरिष्ठ वकील शरण जगतियानी ने अदालत को सूचित किया कि वे मामले को सुलझाने की कोशिश करेंगे। याचिका में निवासियों ने मांग की है कि डेवलपर को उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के निजी जेट में 10 घंटे की मुफ्त उड़ान देनी चाहिए या मुआवजे के रूप में प्रत्येक निवासी को 40 लाख रुपये का रिफंड देना चाहिए। mनिवासियों ने दावा किया है कि समझौते में ट्रम्प टॉवर फ्लैट मालिकों के लिए विशेषाधिकारों के हिस्से के रूप में 10 घंटे की मुफ्त उड़ान का समय कहा गया है।

आप ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए किया बड़ा ऐलान, कांग्रेस को दिया झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के परिणाम मंगलवार को जारी कर दिए गए हैं। हरियाणा में कांग्रेस को करारी हार मिली है तो वहीं, जम्मू-कश्मीर में भी पार्टी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब कांग्रेस की इस हार के बाद इंडी अलायंस के दलों की ओर से भी पार्टी पर जमकर निशाना साधा जा रहा है। अब आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। ्रक्क की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा है कि पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले ही मैदान में उतरेगी। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा है कि हम दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे।

आवास विवाद पर आतिशी ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हम बंगलों में रहने के लिए नहीं आये, सड़क पर बैठकर भी सरकार चलाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को लेकर विवाद जारी है। आवास को लेकर पीडब्ल्यूडी के साथ विवाद के बीच, आप ने गुरुवार को तस्वीरें साझा कीं, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी अपने सामान के भरे डिब्बों से घिरी हुई अपने कालकाजी आवास पर फाइलों पर हस्ताक्षर करती दिख रही हैं। यह दृश्य पार्टी द्वारा दावा किए जाने के एक दिन बाद सामने आया है कि आतिशी को राष्ट्रीय राजधानी में 6, फ्लैगस्टाफ रोड बंगले को जबरन खाली करने के लिए मजबूर किया गया था।

इन सबके बीच आतिशी ने पूरे विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। आतिशी ने आज मीडिया से कहा कि बीजेपी चिंतित है क्योंकि वह हमें चुनाव में नहीं हरा सकती। जब वह सरकार नहीं बना पाती तो ऑपरेशन लोटस शुरू करती है और फिर नेताओं को जेल में डाल देती है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि अब वे सीएम आवास पर कब्जा करने की सोच रहे हैं। आतिशी ने साफ तौर पर कहा कि हम बड़े बंगलों में रहने के लिए राजनीति में नहीं आये हैं। जरूरत पड़ी तो हम सड़क पर बैठकर भी सरकार चलाएंगे, हम दिल्ली की जनता के दिलों में रहते हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल ने यह आवास खाली कर दिया था। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास 4 अक्टूबर को खाली किया था। आतिशी इस आवास में 7 अक्टूबर को शिफ्ट हुई थीं। लेकिन 8 अक्टूबर को दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बड़ा आरोप लगा दिया। उन्होंने दावा किया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा 6 अक्टूबर को मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष सचिव को पत्र लिखकर चाबी सौंपने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसका मतलब है कि केजरीवाल ने अपना आवास खाली किया ही नहीं था।

सोशल मीडिया पर छाया थप्पड़ कांड

चुनावी धांधली भाजपा की रणनीति बन गई : अखिलेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक चुनाव के दौरान भाजपा विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ मारने की घटना सोशल मीडिया के जरिये पूरे देश में छाई रही। फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुपों में विधायक की पिटाई का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फेसबुक पर पोस्ट कर तंज कसा।

उन्होंने लिखा कि अन्याय हिंसा को जन्म देता है। आगे लिखा कि चुनावी धांधली भाजपा की रणनीति बन गई। सपा नेता शिवपाल यादव ने एक्स और फेसबुक पोस्ट में लिखा कि प्रदेश की स्थिति गंभीर, सत्ता पक्ष के विधायक भी सुरक्षित नहीं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी एक्स पर पोस्ट कर निंदा की है।

अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की प्रबंध समिति के नामांकन के समय सदर विधायक योगेश वर्मा से मारपीट का वीडियो एक्स (ट्विटर) पर दिनभर वायरल होता रहा। एक्स के टॉप ट्रेंडिंग में योगेश वर्मा का नाम चौथे नंबर पर रहा। इसमें नौ हजार से अधिक पोस्ट किए गए हैं। कई लोगों ने इस वीडियो को साझा किया है।

विधायक को थप्पड़ मारने वाले अवधेश सिंह का नाम दिनभर ट्रेंड करता रहा। इन पोस्ट में अवधेश सिंह का नाम हाईलाइट किया गया है। बैंक चुनाव नाम की पोस्ट 24 वें नंबर पर है। 1800 से अधिक लोगों ने पोस्ट की है। इसमें तरह-तरह की बातें लिखी गई हैं।

कई वर्षों से गुपचुप होने वाला अर्बन कोऑपरेटिव बैंक का चुनाव इस बार अखाड़ा बन गया। गाली-गलौज, मारपीट, हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप के तीर चले। नामांकन के समय हुए बवाल के बाद प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। बैंक के करीब साढ़े 12 हजार शेयर होल्डर हैं, जो अपने मत का प्रयोग करते हुए डेलीगेट और चेयरमैन चुनते हैं। बुधवार से नामांकन शुरू होने थे। 10 को नामांकन वापसी, 11 को अंतिम सूची का प्रकाशन और चुनाव चिह्न का आवंटन किया जाना था। इस बार की चुनाव प्रक्रिया अधिसूचना के बाद से ही सुर्खियों में आ गई। मंगलवार को माहौल और गर्म हो गया। आखिरकार बुधवार को बवाल हो गया।

शिंदे सरकार ने ले लिया बड़ा एक्शन, किशोर न्याय बोर्ड के 2 सदस्यों को किया बर्खास्त

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में पुणे पोर्श हिट एंड रन केस में सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में किशोर आरोपी को नरम शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने के देने वाले किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के दो सदस्यों को बर्खास्त कर दिया गया। दो सदस्यों की पहचान एल एन दानवाडे और कविता थोराट के रूप में की गई, इन सदस्यों के खिलाफ महिला एवं बाल विकास विभाग ने शिकायत दर्ज की थी। राज्य के अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्रवाई डब्ल्यूसीडी विभाग (जो नाबालिग आरोपी को दी गई जमानत के संबंध में दो सदस्यों के आचरण की जांच कर रही थी) के नेतृत्व वाली एक समिति द्वारा सदस्यों द्वारा प्रक्रियात्मक खामियों का हवाला दिए जाने के बाद की गई है। डब्ल्यूसीडी विभाग के आयुक्त प्रशांत नारनवरे ने मीडिया को बताया कि मैंने राज्य सरकार को जांच पैनल की रिपोर्ट दी थी और सिफारिश की थी कि दोनों सदस्यों की नियुक्ति समाप्त कर दी जाए। उन्होंने कहा कि बर्खास्तगी की सिफारिश करने वाली रिपोर्ट जुलाई में राज्य सरकार को भेजी गई थी। राज्य सरकार ने मंगलवार को दोनों सदस्यों की नियुक्ति समाप्त कर दी क्योंकि उन्हें किशोर न्याय अधिनियम के तहत प्रदान की गई अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया था। पुणे पोर्श मामला 19 मई की घटना से संबंधित है, जब पुणे के कल्याणी नगर इलाके में दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गई थी, जब उनकी मोटरसाइकिल को एक तेज रफ्तार पोर्श ने टक्कर मार दी थी, जिसे कथित तौर पर 17 वर्षीय लड़का नशे में धुत्त होकर चला रहा था।

निर्माण कार्यों में अनियमिता पाए जाने पर सम्बन्धित कांट्रैक्टर के साथ अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्यवाही

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग एवं जनपद के प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन एवं लोक निर्माण विभाग व विकास के अधिकारियों के साथ बैठक कर जनप्रतिनिधिगण के द्वारा प्रस्तावित सड़को के मरम्मत एवं निर्माण से सम्बन्धित प्रस्ताव के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा की। कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' बैठक में जनप्रतिनिधिगण के द्वारा प्रस्तावित एक-एक सड़को के निर्माण,मरम्मत एवं गड्ढा मुक्ति के सम्बन्ध में चल रहे कार्यो व प्रगति के बारे में जानकारी ली।

बैठक में विधायक चुनार व विधायक मड़हान के द्वारा अवगत कराया गया कि उनके क्षेत्र में आने वाले एक सड़क के एक किलोमीटर निर्माण हेतु प्रस्तावित था जिसमें टेण्डर के पश्चात सम्बन्धित कांट्रैक्टर के द्वारा 700 मीटर ही बनाकर छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि यह भी संज्ञान में आया है कि उक्त सड़क का भुगतान भी विभाग द्वारा कर दिया गया हैं, जिस पर कैबिनेअ मंत्री औद्योगिक विकास ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि तीन सदस्सीय टीम बनाकर उक्त सड़क की जांच कराई जाए तथा अनियमिता पाए जाने पर सम्बन्धित कांट्रैक्टर व भुगतान करने वाले अधिकारी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जाए तथा उक्त धनराशि की वसूली हेतु नियमानुसार कार्यवाही करते हुए ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के द्वारा विकास कार्यो व सड़क निर्माण कार्यो में विशेष प्राथमिकता दी जा रही है निर्माण कार्यो में सभी बिन्दुओ पर निगरानी की जा रही है अधिकारी निर्माण कार्यो को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराए कही किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सड़को, मार्गो के लिए जिन प्रतिनिधि के द्वारा निर्माण,मरम्मत आदि कार्य के लिए प्रस्तावित किया गया है उसकी सूची विधानसभावार तैयार कर सम्बन्धित जनप्रतिनिधि को तत्काल उपलब्ध करा दिया जाए।

बैठक में सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल के द्वारा प्रस्तावित जनपद मीरजापुर में देवापुर एनएच-35 के भटौली सेतु को जोड़ने हेतु मीरजापुर बाईपास का निर्माण कार्य का आगणन बनाकर शासन को प्रेषित किया जाना बताया गया। इसी प्रकार धमार्थ मार्गो के चैड़ीकरण एवं सुन्दरीकरण विकास हेतु निर्माण कार्यो में अमरावती पाषाण मार्ग, विन्ध्याचल अटल चैराहा से देवराहा बाबा आश्रम तक, दूधनाथ तिराहा से लाल भैरव मन्दिर होते हुए बरतर तिराहा तक, बरतर तिराहा से बंगाली तिराहा से पटेंगरा चैराहा से शिवपुर बाजार होते हुए रामेश्वर मन्दिर व तारा मन्दिर मार्ग, ड्रमंडगंज हलिया मार्ग से नैड़ी गड़बड़ा मार्ग, डगमगपुर से इंडियन आयल हिनौती तक फोनलेन चैड़ीकरण एवं सुन्दरीकरण कार्य के सम्बन्ध में बताया गया कि जिलाधिकारीगण के द्वारा आगणन बनाकर विशेष सचिव धर्माथ कार्य अनुभाग उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित किया जा चुका हैं। इसी प्रकार सांसद, केन्द्रीय मंत्री एवं विधायक नगर, विधायक मड़हान, विधायक चुनार, मंझवा एवं सदस्य विधान परिषद तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण के द्वारा प्रस्तावित विधानसभावार सड़को के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिसमें ग्रामीण मार्गो के नवनिर्माण, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, नाबार्ड योजनान्तर्गत कुल 17 सम्पर्क मार्गो के सम्बन्ध में भी विस्तृत समीक्षा की गयी।

तत्पश्चात राज्य योजनान्तर्गत राज्य राजमर्गो के चैड़ीकरण एवं सुन्दरीकरण, कृषि विपणन सुविधाओं हेतु मार्गो का नवनिर्माण, पुर्ननिर्माण, प्रमुख जिला मार्ग एमडीआर, अन्य जिला मार्ग ओडीआर के चौड़ीकरण एवं सुन्दरीकरण योजनान्तर्गत राज्या योजना एवं नाबार्ड के योजना के 5 मार्ग, चिन्हित ब्लैक स्पाट पर दो मार्गो राज्य सड़क निधि योजनान्तर्गत 17 मार्ग, मार्गो का अनुरक्षण एवं नवीनीकरण कुल 144 सम्पर्क मार्गो के अलावा विशेष मरम्मत व अन्य योजना में प्रस्तावित लघु एवं दीर्घ सेतु व सड़को की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान प्रान्तीय खण्ड, निर्माण खण्ड तथा जिला पंचायत के द्वारा बनाए जा रहे सभी सम्पर्क मार्गो की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड एवं अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड के द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित सभी सड़को, मार्गो को शासन से स्वीकृति प्राप्त होते ही समयानुसार कार्यवाही प्रारम्भ कराते हुए समय से पूर्ण कराया जाएगा तथा जिन सड़को पर कार्य चल रहा उसे गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूर्ण कराया जाएगा।

बैठक में परियोजना निदेशक डीआरए, अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड एके पाण्डेय तथा प्रान्तीय खण्ड सतीश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। तत्पश्चात कैबिनेट मंत्री ने विन्ध्याचल पहुचंकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का विविधवत दर्शन पूजन किया तथा देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। विधायक नगर रत्नाकर मिश्र व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी उपस्थित रहें। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट में एवं विन्ध्याचल में मंत्री को देवी चित्र व अंगवस्त्रम भेंटकर स्वागत व अभिनन्दन किया।

अपर जनपद न्यायाधीश ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का किया शुभारम्भ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के कार्ययोजना 2024-25 के तहत जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य चिकित्साधिकारी के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द हाल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का शुभारम्भ डीएलएसए सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या एवं डिप्टी मुख्य चिकित्साधिकारी डा मुकेश प्रसाद ने किया। डीएलएसए सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने उपस्थित मुख्यालय, सीएचसी, पीएचसी के समस्त डार्टस को सम्बोधित करते हुए बताया कि आधुनिक युग में भाग दौड़ की जीन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति तनाव में होता है और वह डिप्रेशन, अवसाद, तनाव में होता है। रोगी को बार बार नकारात्मक विचारों का आना, अंजाना भय, कुछ अनहोनी होने के विचारों का आना आता रहता हैं। तनाव मुक्त होने के लिए समय से मनः चिकित्सक से इलाज कराना आवश्यक है। मानसिक एवं तनाव को दूर करने के लिए समय समय पर चिकित्सक के सम्पक में रहना चाहिए उन्होने डिप्टी सीएमओ को निर्देशित किया कि मानसिक रोग इलाज के सन्दर्भ व्यापक प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करें। मानसिक रोगियों को यदि किसी भी प्रकार दिक्कत आती है तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में एक प्रार्थना पत्र देकर सहायता प्राप्त कर सकता है। डिप्टी सीएमओं डा मुकेश प्रसाद ने उपस्थित सभी डार्टस को सम्बोधित करते हुए बताया कि मानसिक रोगियों की संख्या अन्य रोगियों की तुलना में ज्यादा है। इस रोग का पहचान नींद कम आना या अत्यधिक आना, अंजाना भय, काल्पनिक आवाजों की सुनाई देना, भूत प्रेत का डर, आत्महत्या की भावना या आत्महत्या का प्रयास करना, किसी काम में मन न लगना, रोने की इच्छा होना, झुझलाहट एवं अत्यधिक आकामक्ता, शारीरिक नुकसान पहुंचाना जैसे लक्षण होते है। ऐसे मानसिक रोगियों का इलाज साइकॉस्टि द्वारा मण्डलीय चिकित्सालय में निःशुल्क होता है। मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार मे एसीएमओ डा अनिल कुमार ओझा, एनएचएम डा अजय सिंह, डा अवधेश कुमार सिंह, डा आरके राय, डा राजन सिंह एवं अन्य विशेषज्ञ डार्टस ने मानसिक रोग और स्वाथ्य व इलाज पर अपने अपने विचारों को विस्तार से व्यक्त किए। मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार में स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, एएनएम, फील्ड वर्कर, उपस्थित होकर सहयोग दिए।

सही ढंग से अपने कार्यों का संचालन करने वाले ही पूर्णरूप से मानसिक स्वस्थ्य : सीएमओ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वशसाशी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एव चिकित्सालय में एक जागृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस के गोयल, नोडल एनसीडी डॉ. के सरोज डीपीएम के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा लोगों को अवगत कराया गया कि जो व्यक्ति अपने दिनचर्या का कार्य, अपने कार्यस्थल या स्कूल या संस्था के कार्य का निर्वाहन सही ढंग से कर पा रहा है वह व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ होता है। अगर इससे हटकर व्यक्ति में कोई लक्षण पाये जाते हैं तो फिर ऐसे व्यक्ति मानसिक रुप से ग्रसित हो सकते हैं, अतः ऐसे व्यक्तियों को मानसिक विशेषज्ञ से सलाह लेने की आवश्यकता है । मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस.के गोयल के द्वारा भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे टेलीमानंस काउंसलिंग की व्यवस्था के बारे में बताया कि टोल फ्री नंबर 14416 पर कॉल करके मानसिक समस्याओं के बारे में समाधान प्राप्त कर सकते हैं, नोडल एनसीडी डॉ. एस.के सरोज ने जनमानस से मानसिक समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने की अपील करते हुए कहाकि वह अपनी मानसिक समस्याओं पर खुलकर बात करें और समाज में फैली भ्रांति और गलतफहमियों को दूर करें। डॉ. एस. अम्मार ने मासिक रोग के लक्षण तथा उनके इलाज के बारे में बताया ।काउंसलर मीनू कुमारी के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। अंत में कार्यक्रम में आये हुए समस्त अतिथि, विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में अर्पित पटेल, विक्रम सिंह, रमेंद्र कुमार, प्रदीप गुप्ता, प्रेम मिश्रा तथा एनसीडी के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

बाइक पर सवार चार दोस्तों को पुलिस ने रोका, बचने के लिए काली नदी में कूदा युवक, तीन दिन से नहीं मिला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अलीगढ़। अतरौली कोतवाली के गांव मीरगढ़ी के निकट एक युवक काली नदी में कूद गया। युवक का तीन दिन से सुराग नहीं लग सका है। परिजनों ने पुलिस पर युवक का पीछा करने का आरोप लगाया है।

गांव मढ़ोली निवासी 20 वर्षीय विशाल कुमार पुत्र कलियान सिंह का दोस्त शिवा जवां थाना क्षेत्र के गांव इस्माइलपुर में रहता है। शिवा कुछ दिन पहले दुर्घटना में घायल हो गया था। कलियान सिंह ने बताया कि 8 अक्टूबर शाम करीब पांच बजे विशाल गांव खेड़ा निवासी धीरज पुत्र फूल सिंह, अंकेश पुत्र सुनील और जरगवा निवासी विकास पुत्र नरेश पाल के साथ शिवा की तबीयत देखकर लौट रहे थे। चारों दोस्त एक ही बाइक पर थे, तभी गांव मीरगढी के निकट पुलिस ने उन्हें रोक लिया। चार सवारी होने के कारण चारों दोस्त डर गए और बाइक छोड़कर भागने लगे। धीरज और अंकेश को पुलिस ने पकड़ लिया जबकि विशाल और विकास भाग गए। पुलिस कर्मियों ने उनका पीछा किया तो विशाल काली नदी में कूद गया। तभी से विशाल लापता है। कलियान सिंह का आरोप है कि पुलिस कर्मी विशाल को नदी से निकालने के बजाय उसी में छोड़कर भाग गए। सीओ सर्जना सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा दबिश देकर पीछा करने की बात गलत है। युवक की तलाश के लिए गोताखोर, फ्लड कंपनी के द्वारा काली नदी में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पहली बार खेलेगी महिला फुटबॉल टीम, 2000 टेक्नोसेवी और 40 गेम्स, ई-स्पर्धा में होंगे पांच वीडियो गेम्स

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी-बीएचयू में 18 अक्तूबर से आईआईटीयंस की सबसे बड़ी गेम स्पर्धा-24 की शुरुआत हो रही है। 40 गेम्स में 30 से ज्यादा संस्थानों के 2000 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। करीब 500 लड़कियां भी इसमें शामिल होंगी। सबसे खास बात ये है कि पहली बार स्पर्धा में महिला फुटबॉल टीम खेलेगी।

स्पर्धा में कुल 19 तरह के गेम खेले जाएंगे, जिसमें से 15 गेम्स में लड़कियां भी खिलाड़ी होंगी। पहली बार ई-स्पर्धा होगी, जिसमें वीडियो गेम्स के भी धुरंधर दिखेंगे। इस पूरे तीन दिन के गेम का इवेंट आईआईटी-बीएचयू के ही 250 टेक्नोसेवियों के हाथ में है। इसमें से 60 छात्राएं भी हैं। ये एक वर्चुअल कंपनी की तर्ज पर पूरे गेम इवेंट का संचालन कर रहे हैं। ऑपरेशन, मार्केटिंग, पब्लिसिटी, इवेंट, फूडिंग, डिजाइनिंग, सोशल मीडिया और पीआर टीम भी है। सबका काम बंट

चुका है। इसमें से कोई 2000 खिलाड़ियों के तीन दिनों तक हॉस्टलों में ठहरने, आगमन-प्रस्थान और खिलाड़ियों की मेडिकल व्यवस्था का भी जिम्मा छात्रों पर ही होगा।

तीनों साल के छात्र मिलकर कराते हैं ये इवेंट

कन्वेनर सार्थक गुप्ता, को-कन्वेनर शुभम साहू, भूमिका और आदर्श राज चौथे साल के स्टूडेंट्स हैं। स्पर्धा को लीड करने की जिम्मेदारी बीटेक चौथे साल के छात्रों पर है। इनके नीचे तीसरे साल के छात्रों को मैनेजर और दूसरे साल के टेक्नोक्रेट्स को वॉलंटियर कहा जाता है। ये अलग-अलग टीम के लोग सीधे एक-दूसरे से भी कनेक्ट हो सकते हैं।

ये वीडियो गेम होंगे, रजिस्ट्रेशन जारी

सार्थक गुप्ता ने बताया कि इस बार ई-स्पर्धा में पांच गेम खिलाए जा रहे हैं। जिसमें रोड टू वेलर, बीजीएमआई, रियल क्रिकेट-24, बुलेट इको इंडिया गेम शामिल हैं। इस साल इसका रजिस्ट्रेशन अच्छा हो रहा है। पिछले साल भी इसे लॉन्च किया गया था, लेकिन रजिस्ट्रेशन न होने से गेम नहीं हो पाया। रजिस्ट्रेशन चालू है।

15 को साइक्लोथॉन और 16 को मैराथन

को-कन्वेनर आदर्श राज ने बताया कि सप्ताह भर बाद देश भर की आईआईटी, एनआईटी और उत्तर भारत के बड़े इंजीनियरिंग कॉलेजों से छात्र और छात्राओं का आना शुरू हो जाएगा। परिसर में 15 अक्तूबर को साइक्लोथॉन और 16 अक्तूबर को मैराथन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

स्पर्धा-24 के सभी 19 गेम्स

एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, पावरलिफ्टिंग, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, लॉन टेनिस, कबड्डी, खोखो, टेबल टेनिस, तायक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, साइक्लिंग और स्क्वैश खेल खेले जाएंगे।

सिद्धार्थनगर जेल में गांजा मिलने पर डिप्टी जेलर समेत चार निलंबित, जांच के दौरान खुली थी पोल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां जेल में गांजा मिलने के आरोप में डीआइजी जेल एसके मैत्रेय ने डिप्टी जेलर त्रिलोकी नाथ समेत चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। बीते 25 सितंबर को जिला कारागार से 15-20 ग्राम की मात्रा में गांजा बरामद हुआ था।

डीआइजी जेल ने तीन दिन पूर्व इस मामले को लेकर जेल का निरीक्षण किया था। उनके निरीक्षण में डिप्टी जेलर समेत चार जेल कर्मियों की भूमिका संदिग्ध मिली थी। बीते 25 सितंबर को जिलाधिकारी डा.राजा गणपति आर अन्य अधिकारियों के साथ जिला कारागार का निरीक्षण करने गये थे।

निरीक्षण के दौरान पाक्सो एक्ट के बंदी ने डिप्टी जेलर त्रिलोकी नाथ पर आरोप लगाया था कि वह उससे

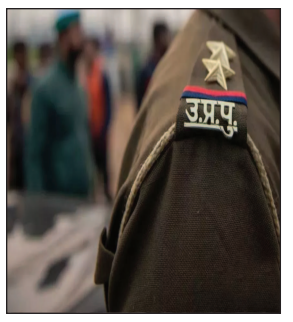

जेल में गांजा बिकवाते हैं। गांजा नहीं बिकने पर उसकी पिटाई भी करते हैं। उसने जिलाधिकारी को दो पुड़िया दिखाकर बताया था कि इसी गांजे को उससे बिकवाया जाता है।

गांजा नहीं बेंचने पर होती थी पिटाई

बंदी ने यह भी आरोप लगाया था कि गांजा नहीं बेंचने पर उसकी पिटाई भी की जाती है। उसने जिलाधिकारी को अपने चोटों के निशान भी दिखाये थे। इस मामले को लेकर जिलाधिकारी ने मस्जिस्ट्रेटियल जांच बिठा दी थी। जिलाधिकारी ने बंदी का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया था।

जिला कारागार सिद्धार्थनगर। जागरण

परीक्षण के दौरान उसके शरीर पर कोई गंभीर चोट नहीं पाया गया था। तीन दिन पहले डीआईजी जेल एसके मैत्रेय ने जेल में गाजा मिलने की जांच की। उन्होंने प्रथम दृष्टया डिप्टी जेलर समेत चार जेल कर्मी की भूमिका संदिग्ध पायी। उन्होंने डिप्टी जेलर त्रिलोकीनाथ, हेड वार्डेन फूलचंद्र यादव और जेल वार्डन उमेश कुमार और सौरभ को निलंबित कर दिया।

जेल की दीवार में सुराग बनाकर फरार हुए थे बंदी

जिला जेल की सुरक्षा को लेकर पहले भी सवाल खड़े होते रहे हैं। 2009 में तीन कैदी जिला कारागार की दीवार में सुराग बनाकर फरार हो गए थे। बाद में उन्हें इटवा थाना क्षेत्र के पास पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जिला कारागार में आठ वर्ष पहले एक बंदी की फेसबुक चलाते फोटो प्रसारित हुई थी। बंदी गोरखपुर क्षेत्र का रहने वाला था। उस पर अपहरण, फिरौती सहित कई आरोप थे। सचिन वर्मा, जेल अधीक्षक ने बताया कि डीआइजी जेल ने निरीक्षण के बाद डिप्टी जेलर समेत चार कर्मियों की भूमिका संदिग्ध पायी थी। इस मामले को लेकर उन्होंने चारों को निलंबित कर दिया है।

तीन दिन पहले डीआइजी जेल ने गांजा मिलने के मामले को लेकर जांच की। उन्होंने इस मामले में प्रथम दृष्टया डिप्टी जेलर समेत तीन अन्य कर्मचारियों को दोषी पाया था। इसे लेकर उन्होंने चारों को निलंबित कर दिया।
-सचिन वर्मा जेल अधीक्षक

महाकुंभ 2025 में वंचित समाज के 71 संत बनेंगे महामंडलेश्वर, दिया जा रहा प्रशिक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। सनातन धर्म के वैभव का प्रतीक महाकुंभ सामाजिक समरसता का संदेश देगा। संगम तीरे वंचित समाज के लोग महामंडेश्वर जैसे सम्मानित पद को सुशोभित करेंगे। मतांतरण रोकने, सामाजिक समसरता कायम करने के लिए वंचित समाज (अनुसूचित जाति व जनजाति) के 71 लोगों को जूना अखाड़ा महामंडलेश्वर की उपाधि देगा।

अनुसूचित जाति के प्रथम जगदगुरु स्वामी महेंद्रानंद गिरि के निर्देशन में सबका प्रशिक्षण चल रहा है। महामंडलेश्वर की उपाधि पाने वालों ने दो-तीन वर्ष पहले अखाड़े से जुड़कर संन्यास लिया था। सनातन धर्म व अखाड़े के प्रति निष्ठा-समर्पण देखकर उन्हें महामंडलेश्वर बनाया जाएगा।

इसके साथ अखाड़ा उन्हें मठ-

मंदिरों के संचालन की जिम्मेदारी देगा, जिससे वह सामाजिक व धार्मिक रूप से अपनी गतिविधि बढ़ाकर नए लोगों को जोड़ सकें। लोभ-भयवश उपेक्षित व सरकारी सुविधाओं से वंचित लोग मतांतरण करते हैं। ऐसे लोगों के बीच ईसाई मिशनरियां सक्रिय हैं। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र व गुजरात के आदिवासी व अनुसूचित जाति के वंचितों को जोड़ने में जुटे हैं।

अखाड़े ने 10 वर्षों में वंचित समाज के 5,620 के लगभग लोगों को संन्यास दिलाया है। वर्ष 2018 में अनुसूचित जाति के कन्हैया प्रभुनंद गिरि को जूना अखाड़ा ने महामंडलेश्वर बनाया। वहीं, बीते अप्रैल माह में प्रयागराज स्थित मौज गिरि मंदिर में महेंद्रानंद गिरि को जगदगुरु तथा कैलाशानंद गिरि को महामंडलेश्वर की उपाधि प्रदान की गई थी। फिर 30 अप्रैल, 2024 को जूना अखाड़ा ने गुजरात के सायंस सिटी सोला अहमदाबाद में मंगल दास, प्रेम दास, हरि प्रसाद व मोहन दास बापू को महामंडलेश्वर की उपाधि प्रदान की।

वरिष्ठ सदस्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट जगदगुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि सनातन धर्म का स्वरूप वृहद है। यह सबको सम्मान व अधिकार देता है। वंचित समाज के लोगों के संन्यास लेने व धार्मिक पद पर आसीन होने से सामाजिक समरसता आएगी। इससे सनातन धर्मावलंबी एकजुट होंगे।

संरक्षक जूना अखाड़ा महंत हरि गिरि ने कहा कि सनातन धर्म में मतांतरण बड़ी समस्या है। इसका कारण धार्मिक व सामाजिक उपेक्षा है। जूना अखाड़ा उसे खत्म करने के लिए वंचित समाज के लोगों के बीच में काम कर रहा है। इससे प्रभावित होकर लोग संन्यास ले रहे हैं। उसमें जो योग्य व समर्पित हैं उन्हें महाकुंभ में महामंडलेश्वर की उपाधि दी जाएगी।

धार्मिक स्थलों को जाने वाले मार्गों को किया जाएगा चौड़ा

प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों को जाने वाले मार्गों को चौड़ा करने की योजना पर लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) ने काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद लोनिवि ने पर्यटन और धर्मार्थ कार्य विभागों से प्रमुख धार्मिक स्थलों को जाने वाले मार्गों की जानकारी मांगी है। इन मार्गों को नए सिरे से विकसित करने के लिए 1,758 करोड़ रुपये के बजट का प्रविधान किया है। पहले चरण में 586 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

धूमधाम से मनाई गई बाबू गनपत सहाय की जयंती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। स्थानीय गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुलतानपुर में आज बड़ी धूम धाम से महाविद्यालय के संस्थापक युगपुरुष बाबू गनपत सहाय की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय मा.प्रबंधक डॉ.ओम प्रकाश पाण्डेय 'बजरंगी' द्वारा बाबू गनपत सहाय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और बाबू जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डॉ.बजरंगी जी द्वारा बाबू जी के संघर्षों भरे दिन से लेकर महाविद्यालय की स्थापना तक के सफर पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि गनपत सहाय जी राजनीति में भी काफी सक्रिय रहे और शहर के प्रतिष्ठित अधिवक्ताओं में इनकी गिनती होती थी।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.)अंग्रेज सिंह 'राणा' ने कहा कि

पूर्वांचल में शिक्षा की अलख जगाने वाले बाबू गनपत सहाय का नाम सदैव बड़े ही आदर एवं सम्मान से लिया जाता है और पूरे क्षेत्र में लोगों को शिक्षित करने का जो बीड़ा उठाया है उसका प्रबंधक और प्रबंध समिति के सदस्य आशीष पाण्डेय'सनी' द्वारा आज भी अनवरत पालन किया जा रहा है। बाबू जी की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृहद स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे-हॉकी, क्रिकेट,कबड्डी, खो-खो आदि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रभारी प्रो. शाहिद, प्रो.(डॉ.)शक्ति सिंह, डॉ.संध्या श्रीवास्तव, डॉ.रविंद्र शुक्ला, डॉ. विक्रमादित्य, डॉ.अरविंद कुमार द्विवेदी, डॉ.अजय कुमार मिश्र, दिनेश दूबे आदि कर्मचारीगण एवं छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

अटल भूजल योजना के अन्तर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम हुआ सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में राज्य ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों व विभिन्न जनोपयोगी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु लगे लोगों की क्षमता संवर्धन हेतु लगातार प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा 09 से 10 अक्टूबर, की अवधि में अटल भूजल योजना के अन्तर्गत दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ''स्टेट लेवल ट्रेनिग प्रोग्राम आन वाटर सिक्योरिटी प्लान, इम्पैक्ट आन दि कम्युनिटी, क्लाइमेटचेंज एण्ड सस्टेनेबिलिटी एण्ड रोल आफ डी0पी0आई0'' का आयोजन सम्बन्धित ब्लाक समन्वयक, आई0ई0सी0 एक्सपर्ट, कृषि विशेषज्ञ एवं जिला समन्वयकों

हेतु किया गया है। इस प्रशिक्षण अवधि में, सभी प्रशिक्षु प्रतिभागियों की क्षमतासंवर्धन के दृष्टिगत विभिन्न विषयों यथा-अटल भूजल योजना की स्थिति, अपेक्षाएं, पर्यवेक्षण एवं आंकलन, विभिन्न सम्बन्धित विभागों के मध्य अभिसरण एवं समन्वय, परिमार्जित एवं उच्चीकृत मानकों के माध्यम से जल उपयोग दक्षता में वृद्धि करना, मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा अपलोडिंग, अटल भूजल योजना की गतिविधियों के समक्ष अद्यतन चुनौतियां एवं निराकरण, योजना से जुड़े हुए कार्मिकों/कार्यकर्ताओं की भूमिका एवं चुनौतियाँ, ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियों का प्रभाव एवं अभिप्रेरक उपकरणों के माध्यम से समुदाय को प्रोत्साहित करना इत्यादि प्रमुख विषयों पर राज्य स्तरीय विषय-विशेषज्ञों एवं प्रबुद्ध शासकीय अधिकारियों द्वारा प्रासंगिक वार्ताएं प्रदान की गयी तथा प्रशिक्षण के दूसरे दिवस के अवसर पर समापन सत्र का आयोजन संस्थान के महानिदेशक, श्री एल0 वेंकटेश्वर लू, (आई0ए0एस0)की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में निदेशक, राज्य भूगर्भ जल विभाग डा0 राजेश कुमार प्रजापति, सम्प्रति परियोजना निदेशक, अटल भूजल योजना, उ0प्र0, डा0 हीरालाल, विशेष सचिव, उ0प्र0, शासन, अनुपम श्रीवास्तव, अधिशासी अभियन्ता, भूगर्भ जल विभाग, उ0प्र0 तथा पूर्णिमा सिंह, उप निदेशक, उ0प्र0 प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्थान के महानिदेशक एल0 वेंकटेश्वर लू0 ने कहा कि भूगर्भ जल गिरावट की समस्या को दूर करने के लिए सतत भूजल प्रबन्धन अपनाने की आवश्यकता है।उन्होंने मिशन कर्मयोगी को आधार मानकर, अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से, प्रदत्त कार्यो के निष्पादनार्थ, निष्ठा, लगन, ईमानदारी तथा समर्पण की भावना पर, वेद वेदांत, ऋषि मुनियों की अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत रूप से उपयोगी व्याख्यान दिया।

निदेशक, भूगर्भ जल, उ0प्र0, डा0 प्रजापति ने उपस्थित प्रतिभागी अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भूगर्भ जल गिरावट की समस्या को दूर करने हेतु भारत सरकार एवं विश्व बैंक के सहयोग से अटल भूजल योजना प्रारम्भ की गयी थी वर्तमान में योजना का 5वां वर्ष चल रहा है। राज्य परियोजना समन्वयक अधिशासी अभियन्ता, भूगर्भ जल अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत ग्रामवार सर्वे द्वारा जल के स्रोतों, भूजल स्तर के गिरावट के कारणों को चिन्हित कर संस्थागत संस्थानों का सशक्तीकरण एवं क्षमता विकास द्वारा सतत भूजल प्रबन्धन हेतु ''जल सुरक्षा नियोजन''(वाटर सिक्योरिटी प्लान) की तैयारी के साथ सम उद्देशीय योजनाओं के साथ अभिसरण व जन सहभागिता के सहयोग से भूजल स्तर बढ़ाने की प्रक्रियाओं से पड़ने वाले प्रभाव को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि डा0 हीरालाल जी ने प्रशिक्षु प्रतिभागियों को बताया कि विभिन्न संस्थाओं व शासकीय विभागों द्वारा अनेकों योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जो, जल की उपलब्धता से सम्बन्धित हैं। हम सभी का दायित्व है कि भूगर्भ जल संरक्षण के सापेक्ष वर्षा जल संचयन तथा दैनिक उपभोग में जल प्रयोग करने में मितव्ययता एवं कृषि प्रक्षेत्र के कार्यो में अधिकतर उन फसलों को प्रमुखता प्रदान की जाय, जिन फसलों को न्यूनतम जल की आवश्यकता हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के अपर निदेशक, बी0डी0 चौधरी के मार्ग निर्देशन में किया गया तथा उनके द्वारा समापन सत्र के अवसर पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन एवं प्रबन्धन के दृष्टिगत कार्यक्रम प्रभारी डा0 अशोक कुमार, सहायक निदेशक का विशेष योगदान होने के साथ मंच संचालन भी इनके द्वारा किया गया तथा उनके सहयोगी के रूप में प्रतिमेश कुमार, शोध सहयुक्त, धर्मेन्द्र कुमार, संकाय सदस्य, यू0पी0 सिंह, आई0ई0सी0 एक्सपर्ट तथा यशवीर सिंह, विषय-विशेषज्ञ का सराहनीय योगदान रहा ।

प्रशासन द्वारा मृत्यु के कारणों की जांचोपरान्त पाये गये अन्य दोषी कार्मिकों पर भी होगी सख्त कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने उन्नाव जनपद के कुशलपुर, बेतहर निवासी शुभम पुत्र महादेव द्वारा बिजली बिल प्रकरण को लेकर आत्महत्या किये जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया और ईश्वर से प्रार्थना की है मृतक की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ता द्वारा आत्महत्या किये जाने संबंधी समाचार का संज्ञान लेकर संबंधित विद्युत कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने 33/11 केवी उपकेन्द्र अचलगंज के अवर अभियंता आशीष सिंह तथा विद्युत वितरण उपखण्ड बंथरा के उपखंड अधिकारी रवि यादव को तत्काल निलंबित करने और उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये हैं। वहीं विद्युत वितरण खंड द्वितीय, उन्नाव के अधिशासी अभियंता सूर्योदय कुमार वर्मा को तत्काल निलंबित करने के निर्देश एमडी मध्यांचल को दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन उपभोक्ता के मृत्यु के कारणों की विस्तृत जांच कर रहा है। लेकिन विद्युत विभाग के संबंधित कार्मिक प्रथम दृष्टया इस घटना के मुख्य कारण होने के दृष्टिगत इनके खिलाफ कार्यवाही की गयी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की जांच में जो भी अन्य विद्युत कार्मिक दोषी पाये जायेगे, उन सभी पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। संबंधित प्रकरण में मुख्य अभियंता वितरण द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में उपभोक्ता ने 10 मार्च, 2022 को एक किलोवाट का विद्युत कनेक्शन लिया था। सितम्बर, 2024 में त्रुटिवश प्रोविजनल बिल 1,09,221 रूपये निर्गत हुआ। जिसको सही करने पर बिल की देय धनराशि 16,377 रूपये हो गयी और उपभोक्ता ने इसका भुगतान भी कर दिया। 07 अक्टूबर, 2024 को उपभोक्ता की कुल 33 यूनिट रीडिंग का बिल 8,306 रूपये त्रुटिवश निर्गत हो गया, जिसको 09 अक्टूबर को उपखंड अधिकारी द्वारा अनुमोदित कर दिया गया। ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि उपभोक्ता द्वारा आत्महत्या किये जाने का समाचार मिलने के साथ ही विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों और जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों से लगातार संपर्क कर रहा हूँ। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि सभी विद्युत कार्मिक उपभोक्ताओं की समस्याओं का न्यायोचित समाधान करायें। किसी भी प्रकार की गलती करने और टालने की प्रवृत्ति पर उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही होगी। प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं के हितों के दृष्टिगत कार्य कर रही है। इसमें कोई समझौता नहीं किया जायेगा। सभी कार्मिक उपभोक्ताओं की विद्युत समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान कराये, किसी भी स्तर पर लापरवाही और त्रुटि पाये जाने पर संबंधित कार्मिक के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

डिजिटल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मेगास्टोर 'लुलु कनेक्ट' द्वारा आयोजित 'डीजेक्स 2024' का उद्घाटन

लखनऊ। डिजिटल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मेगास्टोर 'लुलु कनेक्ट' द्वारा आयोजित 'डीजेक्स 2024' का लुलु मॉल लखनऊ के प्रांगण में श्री जयकुमार गंगाधरन, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर लुलु हाइपरमार्केट के महाप्रबंधक श्री नोमान अज़ीज़ खान जी ने ग्राहकों को 5 दिन (9 से 13 अक्टूबर) तक चलने वाले 'डिजेक्स २०२ ४' के आकर्षक ऑफरों के बारे में बताया और कहा कि हर बार की भाँति, इस बार भी, त्योहारों को शानदार बनाने के लिए लुलु हाइपरमार्केट, लुलु फैशन स्टोर और लुलु कनेक्ट ने ग्राहकों हेतु अनेकों डील्स, ऑफर्स और उपहारों की व्यवस्था की है. लुलु कनेक्ट द्वारा प्रस्तुत एवं फेबर व बजाज द्वारा संचालित डिजेक्स २०२४ में इज़ी इ.एम.आई ऑप्शन, फ्री डिलीवरी, कैशबैक के साथ-साथ इसमें जानी-मानी ब्रांड्स जैसे बोश, सोनी और ऐसी ही अनेकों ब्रांड्स के उत्पादों पर भारी छूट दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने 'शक्ति के पर्व' पर की मां की आराधना

गोरक्षपीठाधीश्वर ने शारदीय नवरात्रि में गुरुवार सुबह मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन किए

- गोशाला की व्यवस्थाओं को देखा, गायों को खिलाया गुड़ व चारा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन किए। दो दिवसीय बलरामपुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने बुधवार को समीक्षा बैठक की, फिर मेडिकल कॉलेज व निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया था। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। शारदीय नवरात्रि में गुरुवार की सुबह उन्होंने मां के चरणों में शीश झुकाकर अपनी श्रद्धा निवेदित की।

मुख्यमंत्री ने जगतजननी मां भगवती से सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। उन्होंने

मंदिर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

गाय को खिलाया गुड़ और चारा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर प्रांगण स्थित गोशाला भी गए। यहां उन्होंने सभी गायों को गुड़ व चारा खिलाया। सीएम ने नाम लेकर गायों को पुकारा तो वे भी गोरक्षपीठाधीश्वर के पास दौड़ते चली आईं। सीएम ने गो सेवा करते हुए गोशाला की व्यवस्था को भी देखा।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारा, पुचकारा और दी चॉकलेट

दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। यहां आए दर्शनार्थियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया। वहीं मंदिर में आये नन्हे-मुन्नो को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट भी दिया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई आदि की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने का मंत्र भी दिया। मुख्यमंत्री मंदिर में थारू जनजाति छात्रावास के बच्चों से भी मिले। उनकी शिक्षा, खानपान, रहने आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी भी मौजूद रहे।

कृषि यंत्रों पर अनुदान दे रही योगी सरकार, 23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे किसान

10 हजार से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों पर आवेदन के लिए शुरू हुई बुकिंग प्रक्रिया

- डबल इंजन सरकार अन्नदाता किसानों के लिए चला रहीं अनेक योजनाएं

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। डबल इंजन सरकार अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में किसानों के हित में अनेक कार्य व योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में योगी सरकार कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्र- कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थ्रेसिंग फ्लोर व स्मॉल गोदाम पर अनुदान प्राप्त करने का अवसर किसानों को उपलब्ध करा रही है। इसके आवेदन के लिए किसान 23 अक्टूबर तक बुकिंग कर अवसर का लाभ उठा सकेंगे।

कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन के लिए वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'यंत्र पर अनुदान हेतु बुकिंग करें' लिंक पर क्लिक करना होगा। 10 हजार तक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्रों-कृषि रक्षा उपकरणों के लिए आवेदक कृषि विभाग के पोर्टल पर बुकिंग कर सकेंगे। इसके साथ ही, आवेदक अपने या परिवार के मोबाइल नंबर से ही आवेदन कर सकेंगे। कृषि बिल, बुकिंग की तिथि से 10 दिन के भीतर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत पोर्टल पर उपलब्ध मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा। निर्धारित अवधि में बिल अपलोड न होने पर बुकिंग निरस्त हो जाएगी।

2500 रुपये देनी होगी बुकिंग धनराशि

10 हजार से एक लाख तक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए बुकिंग के लिए धनराशि 2500 रुपये होगी, जबकि एक लाख से अधिक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए यह राशि पांच हजार रुपये होगी। किसानों को आवेदन के समय ही यंत्रवार निर्धारित बुकिंग धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। लक्ष्य अवशेष न रहने व ई-लॉटरी में चयनित न होने वाले किसानों को बुकिंग धनराशि वापस कर दी जाएगी।

23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे किसान

* इच्छुक लाभार्थी/कृषक 23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे। 9 से 23 अक्टूबर तक निर्धारित समयावधि में आवेदन किया जा सकेगा। विभागीय पोर्टल पर लक्ष्य से अधिक आवेदन की दशा में डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष विभागीय पोर्टल पर ई-लॉटरी के माध्यम से ब्लॉकवार लक्ष्यों के सापेक्ष लाभार्थी का चयन किया जायेगा।

ई-लॉटरी व्यवस्था में लक्ष्य के अनुरूप चयनित किये जाने वाले लाभार्थियों की संख्या के अतिरिक्त लक्ष्य का 50 प्रतिशत तक क्रमवार प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जायेगी। लाभार्थियों के चयन/बुकिंग टोकन कन्फर्म होने की तिथि से कृषि यंत्र क्रय कर विभागीय पोर्टल पर क्रय रसीद, यंत्रों की फोटो व सीरियल नंबर तथा संबंधित अभिलेख अपलोड करने के लिए 30 दिन व कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग व फार्म मशीनरी बैंक के लिए अधिकतम 45 दिन का समय मिलेगा। निर्धारित मानक के यंत्रों को upyantratracking.in पर पंजीकृत यंत्र निर्माताओं द्वारा पोर्टल पर अपलोड इन्वेंट्री में से किसी से भी क्रय कर सकेंगे।

ई-लॉटरी हेतु स्थल, तिथि एवं समय की जानकारी आवेदकों को संबंधित जनपदीय उप कृषि निदेशक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

जीवन में ईमानदारी को सबसे अधिक प्राथमिकता दें : स्वतंत्र देव सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के जल शक्ति मंत्रीस्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में आज यहाँ तेलीबाग स्थित सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के परिकल्प भवन सभागार में अवर अभियंताओं का पदस्थापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के 11 नव प्रोन्नत अधिशासी अभियंताओं (यांत्रिक) तथा 144 नवनियुक्त अवर अभियंताओं (सिविल) को उनके द्वारा मांगे गये विकल्प के अनुरूप पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत पदस्थापन किया गया।

जल शक्ति मंत्री ने सभी उपस्थित नव चयनित अवर अभियन्ताओं को विभाग में नियुक्ति हेतु बधाई देते हुए कहा कि आप सभी अपने जीवन में ईमानदारी को सबसे अधिक प्राथमिकता दें, परिश्रम की पराकाष्ठा पर जाकर अपने कर्तव्यों

का निर्वहन करें ।विभाग द्वारा निर्धारित दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें। आप सभी किसानो के हित में अपना बहुमूल्य योगदान दे। उन्होंने नव नियुक्त अवर अभियंताओं से पूर्ण दक्षता व क्षमता के साथ बिना दबाव के कार्य करते हुये विभाग को आगे ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत चयन एवं पदस्थीकरण की कार्यवाही प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनके द्वारा निष्पादित कार्य सदैव किसानों के हित में होने चाहिए।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं है। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई हुई है। पदस्थापना से लेकर स्थानांतरण तक सभी प्रक्रिया व्यवस्थित एवं पारदर्शी रूप से सम्पन्न हो रही है। भर्ती से लेकर तैनाती तक की पूरी प्रक्रिया में कहीं भी किसी प्रकार की अनियमित्ता नहीं होने दी जाएगी।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव सिंचाई एवं जलसंसाधनअनिल गर्ग, प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्षअखिलेश सचान, प्रमुख अभियंता परियोजनासंदीप कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटन विभाग धार्मिक स्थलों के विकास के लिए कटिबद्ध : जयवीर सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। जनपद गोण्डा में स्थित स्वामीनारायण मंदिर छपिया के सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा 22.19 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इस धनराशि में से 08 करोड़ रूपये की धनराशि जारी कर दी गयी है। यह मंदिर गोण्डा के आसपास तथा अन्य जनपदों के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केन्द्र है। विभिन्न पर्वों पर यहां भारी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटन विभाग ने पर्यटन सुविधाओं के विकास का निर्णय लिया है। यह मंदिर स्वामीनारायण संप्रदाय के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य है। बीते वर्ष 48 करोड़ से

अधिक पर्यटकों ने यूपी का भ्रमण किया। यह वृद्धि निरंतर जारी है। इस वर्ष जनवरी से जून तक 33 करोड़ आगंतुकों ने यहां का रुख किया जिसमें लगभग 11 करोड़ पर्यटक केवल अयोध्या पहुंचे। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद अयोध्या में पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है।

जयवीर सिंह ने बताया कि आगामी दिनों में यहां पर्यटन और बढ़ेगा। क्योंकि अयोध्या आने वाले पर्यटक छपिया का भी भ्रमण करेंगे। इसके अलावा स्वामीनारायण संप्रदाय को मानने वालों की संख्या गुजरात समेत अन्य कई राज्यों में अच्छी खासी है। उनके सामने भी एक साथ छपिया और अयोध्या तथा प्रदेश के अन्य स्थलों पर भ्रमण का अवसर उपलब्ध है। पर्यटन विभाग इस महत्वपूर्ण स्थल पर पर्यटक सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। लगभग 22.19 करोड़ रुपये बस शेल्टर का विकास, मुख्य गेट व अन्य कई गेट का विकास, फसाड लाइटिंग के अलावा अन्य पर्यटक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उक्त स्थल पर पर्यटक सुविधाएं विकसित होने के बाद पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्राप्त होगा। हमारा प्रयास है प्रदेश में आने वाले पर्यटक जब यहां से लौटकर जाएं तो प्रदेश की विविधिताओं और आतिथ्य सत्कार से अन्य लोगों को अवगत कराएं।

आध्यात्मिक अयोध्या को 'आयुष्मान अयोध्या' भी बना रही योगी सरकार

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज कैंपस में 33 करोड़ से अधिक की लागत से बन रहा 110 बेड का ट्रॉमा सेंटर

- सीएम योगी के निर्देश पर स्वास्थ्य क्षेत्र में भी समृद्ध हो रही रामनगरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। योगी सरकार आध्यात्मिक अयोध्या को 'आयुष्मान अयोध्या' भी बना रही है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में रामनगरी स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दिनोदिन समृद्ध हो रही है। घटना-दुर्घटना में विपरीत परिस्थिति आने पर अयोध्या को अब लखनऊ पर आश्रित नहीं रहना होगा, बल्कि सभी सुविधाएं यहीं मिल जाएंगी। गंभीर से गंभीर मरीजों का इलाज भी यहीं हो सकेगा। इसके लिए अयोध्या के राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में 110 बेड के ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। मई 2025 तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। यहां एक ही छत के नीचे सारी अत्याधुनिक सुविधाएं मिल जाएंगी।

विकास के नए पथ पर समृद्ध है अयोध्या

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के शुरू होते ही यहां के विकास कार्यों का खाका खींचा जाने लगा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्यावासियों और श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की फिक्र करते हुए यहां मल्टीस्पेशियिलिटी अस्पताल व दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं को बढ़ाने का निर्देश दिया था। काफी दिनों से लंबित पड़े 110 बेड के ट्रॉमा सेंटर के प्रोजेक्ट पर काम न सिर्फ शुरू करा दिया गया, बल्कि आधे से अधिक कार्य पूरा भी हो गया है।

33 करोड़ से अधिक की लागत से हो रहा निर्माण, 50 फीसदी कार्य पूरा

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में 110 बेड के ट्रॉमा सेंटर का निर्माण 33 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कराया जा रहा है। शासन की ओर से निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद राजकीय निर्माण निगम ने काम शुरू करा दिया था। तीन मंजिल के भवन में बन रहे सेंटर में अब तक 50 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है।

सभी सुविधाओं से लैस होगा सेंटर

मेडिकल कॉलेज में आकस्मिक चिकित्सा सेवा के लिए 50 बेड का ट्रॉमा सेंटर व 60 बेड का इमरजेंसी मेडिसिन विभाग बनाया जा रहा है। यानी कुल 110 बेड की सुविधा होगी। अभी नए भवन में चल रहे ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को कठिनाइयां होती हैं। एक्सरे व सीटी स्कैन के लिए मरीजों को अलग भवन ले जाना पड़ता है। नए ट्रॉमा सेंटर के निर्माण के बाद एक्सरे-सीटी स्कैन समेत तमाम जांच की सुविधा यहीं मिल सकेगी।

तेजी से चल रहा निर्माण कार्य : प्राचार्य

प्राचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि भवन का निर्माण तीव्र गति से हो रहा है। इसमें अत्याधुनिक लिफ्ट की भी सुविधाएं रहेंगी। ट्रॉमा सेंटर गंभीर मरीजों के लिए वरदान साबित होगा। यहां एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं मिलेंगी। मरीजों व उनके परिजनों को कहीं भागना नहीं पड़ेगा।

पूरब के ऑक्सफोर्ड में किताबों पर बुलडोजर

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावी गहमागहमी के बीच बहुत सी जरूरी खबरें हाशिए पर धकेली गईं, इन्हीं में से एक खबर आई मौजूदा प्रयागराज यानी अतीत के इलाहाबाद से। खबर यह कि अब बुलडोजर का ज़ोर मकानों से बढ़ते हुए पुस्तकों पर भी असर दिखाने लगा है। बीते शनिवार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने फुटपाथ पर पुरानी किताबें बेचकर आजीविका कमाने वाले एक गरीब दुकानदार के बक्से को बुलडोजर से रौंद डाला। दुकानदार लोहे के इसी बाक्स में पुरानी किताबें रखता था, पढ़ने-लिखने के शौकीन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुरानी किताबों को सस्ते दामों पर खरीदते थे। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहर के फुटपाथ पर कई दुकानदार पुरानी किताबों की दुकान लगाते हैं, और यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। लेकिन अब नगर निगम को इसमें अवैध कब्जा नजर आया और उसने अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई। तमाम दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वो अपना सामान फुटपाथ से हटा लें, बहुतों ने हटा भी लिया, लेकिन एक गरीब दुकानदार किताबें नहीं समेट पाया, तो फिर बुलडोजर चलाकर उन किताबों के चिथड़े इस तरह उड़ाए गए, उन्हें इस तरह रौंदा गया कि समाज पढ़ाई-लिखाई से तौबा कर ले। शायद सत्ता की मंशा भी यही है। क्योंकि पढ़ी-लिखी जमात से उसे डर लगता है कि वह खुद तो सवाल करेगी ही, समाज को भी तर्क करने के गुर सिखाएगी।

इस इलाहाबाद को अपने नाम के साथ जोड़ने वाले मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी ने कभी लिखा था- हम ऐसी कुल किताबें क़ाबिल-ए-ज़ब्ती समझते हैं कि जिन को पढ़ के लड़के बाप को ख़ब्ती समझते हैं लेकिन इन पंक्तियों को पढ़कर कोई ये समझने की भूल न करे कि अकबर इलाहाबादी पढ़ने-लिखने के खिलाफ थे, क्योंकि इन्हीं अकबर इलाहाबादी ने यह भी लिखा था कि-

खींचो न कमानों को न तलवार निकालो।
जब तोप मुक़ाबिल हो तो अख़बार निकालो।।

किताबों को जब्ती के काबिल समझने की बात करने वाले शायर ने नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच विचारों के अंतर और असहमति को रेखांकित किया था। जब अकबर इलाहाबादी तोप का सामना करने के लिए अखबार निकालने का मशविरा देते हैं तो वे समाज को यह समझाते हैं कि सत्ता के किसी भी जुल्म का मुकाबला समाज की जागरुकता से ही किया जा सकता है। और समाज पढ़-लिख कर ही जागरुक हो सकता है। लेकिन आज के सत्ताधीश तो किताबों को जब्त करने के बाद अब उन्हें कुचलने पर आमादा हो गए हैं, यह बात डरावनी है। लायब्रेरी पर हमले, किताबों की प्रतियां जलाना, किसी किताब का विरोध कर उसे प्रतिबंधित करवाना ये सारे पैंतरे भी पहले भी असहमति से डरने वाले लोग आजमाते रहे हैं। 2004 में पुणे के प्रसिद्ध भंडारकर प्राच्यविद्या संस्था पर जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के तक़रीबन 100 कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी और यहां के इतिहासकारों के साथ मार-पीट भी की थी। संभाजी ब्रिगेड को नाराजगी थी कि अमेरिकन लेखक जेम्स लेन ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र पर लिखी किताब 'शिवाजी हिन्दू किंग इन इस्लामिक इंडिया' में उनके बारे में कुछ विवादास्पद बातें लिखी हैं और भंडारकर संस्थान के इतिहासकारों ने इसमें जेम्स लेन की मदद की है। अपनी नाराजगी जतलाने का यही तरीका उन्हें समझ आया कि मार-पीट और तोड़-फोड़ करो। इस मामले में 2017 में सभी 68 आरोपियों को निर्दोष भी करार दे दिया गया। इसके बाद भी ऐसी और घटनाएं हुईं। 2020 में सीएए विरोधी आंदोलन को कुचलने के फेर में दिल्ली पुलिस ने किस तरह जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की लायब्रेरी में घुसकर पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लाठियां चलाई थीं, उसके वीडियो दुनिया ने देखे। इसी तरह पिछले साल अप्रैल में बिहार शरीफ में भड़के दंगों में उत्पाती भीड़ ने 110 साल पुराने अजीजिया मदरसे और लायब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। जिसमें इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन पांडुलिपियों और धर्मग्रंथों से संबंधित 4500 से अधिक पुस्तकें जल गईं। पांच दिनों तक ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें और दस्तावेज जलते रहे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद जून 2024 में ही नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया तो अतीत के गौरव और पुनर्जागरण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं। तब वह प्रसंग भी लोगों को याद दिलाया गया कि 1193 में नालंदा विवि को बख्तियार खिलजी ने आग के हवाले किया था और हफ्तों तक यहां किताबें जलती रही थीं। लेकिन तब बिहार शरीफ की ऐतिहासिक लायब्रेरी को जलाने की बात याद नहीं आई।

जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों के निहितार्थ

भारतीय जनता पार्टी ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके एक तरह से इस नासूर को ही खत्म कर दिया। ऐसे में इसका चुनावी श्रेय भारतीय जनता पार्टी को मिलने की उम्मीद होना स्वाभाविक है। लेकिन विधानसभा चुनाव नतीजों ने पार्टी को निराश ही किया है।

उमेश चतुर्वेदी

जम्मू और कश्मीर राज्य एवं राम मंदिर में क्या कोई समानता हो सकती है? मोटे तौर पर देखें तो इनमें कोई समानता नहीं हो सकती। लेकिन जब भारतीय जनता पार्टी के संदर्भ में दोनों को ही देखें तो समानता नजर आती है। राममंदिर और जम्मू-कश्मीर, भारतीय जनता पार्टी के कोर मुद्दे रहे हैं। लेकिन चुनावी मोर्चे पर दोनों ही मुद्दे कम से कम स्थानीय स्तर पर भाजपा को निराश ही करते रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 और कैबिनेट के प्रस्ताव 35 ए की वजह से जम्मू-कश्मीर की स्थिति देश के अन्य राज्यों से अलग रही है। यह अलग स्थिति ही वहां के अलगाववाद की नासूर का कारण मानी जाती रही है। भारतीय जनता पार्टी ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके एक तरह से इस नासूर को ही खत्म कर दिया। ऐसे में इसका चुनावी श्रेय भारतीय जनता पार्टी को मिलने की उम्मीद होना स्वाभाविक है। लेकिन विधानसभा चुनाव नतीजों ने पार्टी को निराश ही किया है।

यहां पर राममंदिर आंदोलन और उस बीच हुए उत्तर प्रदेश के चुनावों की याद आना स्वाभाविक है। छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद अव्वल तो होना चाहिए था कि आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अपने दम पर भारी जीत मिलती। लेकिन 1993 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर भले ही उभरी, लेकिन वह बहुमत से दूर रही। जनवरी 2024 में अयोध्या में भव्य राममंदिर बनकर तैयार हो गया। देश और दुनिया में राममंदिर को लेकर अलग तरह का उत्साह देखा गया। पांच सौ वर्षों के संघर्ष का अंत हुआ। इस संघर्ष की अगुआ भारतीय जनता पार्टी ही रही। इसलिए इस संघर्ष का उसे चुनावों में फायदा मिलना चाहिए था। लेकिन उलटबांसी देखिए कि कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनावों में अयोध्या वाली फैजाबाद सीट भारतीय जनता पार्टी हार गई। इस कड़ी में कोर मुद्दे से जुड़े इलाके जम्मू-कश्मीर में बीजेपी को चुनावी बढ़त ना मिलना, पार्टी के लिए तीसरा झटका कहा जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर में जिस नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है, उसका चुनावी वादा है कि राज्य की पुरानी स्थिति बहाल करेंगे यानी अनुच्छेद 370 को फिर से प्रभावी बनाएंगे। यह बात और है कि इस महत्वपूर्ण अनुच्छेद की बहाली जम्मू-कश्मीर की आधी-अधूरी विधानसभा के वश की बात नहीं है। लेकिन इस जीत के जरिए नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस नैतिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाने की कोशिश तो जरूर ही करेंगी। इसका उसे राष्ट्रीय फायदा भले ही न मिले,लेकिन केंद्रीय सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परेशानी खड़ी करने का जरिया वे बनाते रहेंगे। वैसे भी भारत की राजनीति आज जिस मुकाम पर है, उसमें राजनीतिक दलों को सिर्फ अपने सियासी स्वार्थ और फायदे की चिंता है। उनकी प्राथमिकता में राष्ट्र बाद में आता है। इसलिए अंदरूनी मुद्दों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उछालने में दलों को कोई हिचक नहीं होती। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लंदन और अमेरिका के भाषण इसके उदाहरण हैं।

दुनिया में भारत का दबदबा भले ही बढ़ रहा हो, भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था भले ही हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ ताकतें ऐसी भी हैं, जो भारत में उथल-पुथल देखना चाहती हैं। इसके लिए वे अपने तईं प्रयास भी करती रहती हैं। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की जीत को ये ताकतें बहाना बनाएंगी और यह नैरेटिव स्थापित करने की कोशिश करेंगी कि जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति उसकी अवाम को ही स्वीकार्य नहीं है। इस बहाने घूम-फिरकर उसी तर्क को बढ़ावा दिया जाएगा, जो पाकिस्तान देता रहा है। जिसकी वकालत नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी जैसे दल भी करते रहे हैं। पाकिस्तान कश्मीर को लेकर जनमत संग्रह की बात करता रहा है तो नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी प्रकारांतर से पाकिस्तानी मंशा को ही आगे बढ़ाते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में भाजपा की चुनावी जीत ना मिलने के बाद वे फिर भाजपा के नजरिए को गलत साबित करने की कोशिश करेंगे ।

जम्मू-कश्मीर के चुनावी अभियान के दौरान विशेषकर कश्मीर घाटी के वोटरों के जो विचार सामने आ रहे थे, उससे ऐसे ही चुनाव नतीजों की उम्मीद थी। जिस घाटी में पत्थरबाजी रूक गई, जहां आतंकी घटनाओं पर लगाम लग गई, जहां ढाई दशक से पहले की तरह पर्यटकों की आमद बढ़ी, जहां अमन बढ़ा, वहां के लोग खुलकर कहते रहे कि उन्हें हिंदू राज नहीं चाहिए। नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार की वजह से उन्हें ये सारी सहूलियतें मिलीं, राज्य में बदलाव आया। विकास की नई बयार बही। फिर घाटी के लोगों को ना तो नरेंद्र मोदी पसंद हैं और ना ही भारतीय जनता पार्टी। फिर कश्मीर घाटी में नवगठित विधानसभा की 47 सीटें आती हैं, जबकि जम्मू इलाके में 43 सीटें हैं। घाटी की सीटों पर भाजपा की चुनावी संभावनाओं की कोई उम्मीद भी नहीं लगाए हुए था। वैसे भी घाटी की 28 सीटों पर बीजेपी ने अपने उम्मीदवार भी नहीं दिए थे। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय का आंदोलन जिस प्रजा मंडल ने चलाया, उसका आधार जम्मू इलाके में ही रहा। वह एक तरह से भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ का ही हिस्सा था। देश मान कर चल रहा था कि जम्मू इलाके की 43 सीटों में ज्यादातर पर बीजेपी की जीत होगी। लेकिन वहां बीजेपी 29 सीटें ही जीत पाई। जाहिर है कि 14 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। वैसे बीजेपी का एक धड़ा मान रहा है कि पार्टी की आपसी गुटबाजी और गलत टिकट बंटवारा पार्टी की सफलता की राह में बाधा बन गया। वैसे पार्टी के लिए संतोष की बात यह भी है कि घाटी की कई सीटों पर उसके उम्मीदवार हजार-दोहजार वोटों के ही अंतर से हारे हैं...फिर भी बीजेपी को सोचना होगा कि आखिर उससे चूक कहां हुई कि अपने गढ़ में वह शत-प्रतिशत सफलता हासिल क्यों नहीं कर पाई। वैसे बीजेपी इस बात से राहत की सांस ले सकती है कि हरियाणा में वह धमाकेदार जीत के साथ वापस लौट रही है।

अजब-गजब

29 साल की लड़की ने दूल्हे को छोड़कर महिला से रचा ली शादी

सोचिए कि आप किसी की शादी में पहुंचे हैं. लेकिन दूल्हन ऐन वक्त पर मंगेतर को छोड़कर अपनी 'मेड ऑफ ऑनर' से ब्याह रचा ले, तो इस पर आप क्या कहेंगे? जाहिर है, चौंक जाएंगे. क्योंकि, दुल्हन ने किसी गैर मर्द से नहीं बल्कि एक लड़की से शादी कर ली. कुछ ऐसा ही अमेरिका के फ्लोरिडा में हुआ, जब 29 वर्षीय कायला डूडी ने ऐसा करके सबको चौंका दिया. कायला ने बताया कि कैसे उसने अपने होने वाले दूल्हे को छोड़ दिया और 36 वर्षीय अपनी 'मेड ऑफ ऑनर' एरिका से शादी कर ली. अब सोशल मीडिया के जरिए इस अनोखी लव स्टोरी की चर्चा पूरे दुनिया में हो रही है.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कायला और हैरी एक-दूसरे से प्यार करते थे. इसके बाद दोनों ने सगाई कर ली. लेकिन इस रिश्ते को दोनों परवान चढ़ाते, उससे पहले ही कायला ने ऐसा कदम उठाया, जिससे हैरी ही नहीं बल्कि महिला के नाते-रिश्तेदार और दोस्त भी दंग रह गए. कायला ने अपनी मेड ऑफ ऑनर को हमसफर बना लिया. कायला का कहना है कि वह हैरी के साथ रिश्ते में खुद को फंसी हुई महसूस कर रही थी. लेकिन लाइफ में मेरे एक क्लाइंट की पत्नी एरिका की एंट्री के बाद सबकुछ गुलाबी-गुलाबी सा हो गया.

कायला ने बताया कि कैसे वह एरिका के दिल के इतने करीब चली गईं. उन्होंने कहा, मैं हैरी के साथ कम्फर्टेबल थी. पर मैं यह भी अच्छे से जानती थी कि उसे मैं पागलपन के हद तक प्यार नहीं करती थी. बात दिसंबर 2021 की है, जब पर्सनल ट्रेनर के रूप में काम करते हुए कायला की डैन (बदला हुआ नाम) नाम के एक क्लाइंट से मुलाकात हुई. एरिका डैन की पत्नी थी. ये भी पढ़ें: 'संभल के! कहीं Kamra न जला दे', Ola EV विवाद में कूदे हर्ष गोयनका

उन्होंने कहा, एरिका से मेरी मुलाकात नवंबर 2022 में हुई और कुछ ही महीनों में हम अच्छे दोस्त बन गए. इसके बाद कायला, हैरी, डैन और एरिका एक साथ घूमने लगे. इसके बाद फरवरी 2023 में हैरी ने कायला को शादी के लिए प्रपोज किया. इस पर कायला ने एरिका से कहा वह चाहती हैं कि वो उनकी मेड ऑफ ऑनर बने.

लेकिन इस वाकये के कुछ ही दिनों बाद एरिका ने कायला से कहा कि वह अपने पति से तलाक लेना चाहती है, क्योंकि वह समलैंगिक है. उसने यह भी कबूल किया कि उसने एक महिला को किस भी किया था. कायला ने बताया कि यह सुनते ही उनका सिर घूम गया, क्योंकि उनके मन में भी एरिका को लेकर फीलिंग्स थी. लेकिन किसी तरह यह सब छिपा रही थीं. ये भी पढ़ें: कोरियन ने पहली बार चखा भारतीय खाना, रिएक्शन पर फिदा हुई पब्लिक

आखिरकार दोनों को एक-दूसरे की फीलिंग्स का एहसास हुआ, जिसके बाद कायला ने मंगेतर से सगाई तोड़ दी. फिर कपल ने रोमांटिक रिलेशन शुरू किया और छह महीने बाद ही एरिका ने शादी के लिए प्रपोज कर दिया. दोनों ने अप्रैल में प्रियजनों के बीच शादी कर ली. कायला ने कहा, मुझे कोई पछतावा नहीं है. हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं.

ब्लॉग

भारत के संदर्भ में हमें गढ़ने होंगे अपने विमर्श

प्रह्लाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। यह, विमर्श गढ़ने वाले व्यक्ति द्वारा किन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इसे गढ़ा जा रहा है, पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए कुछ देशों के सम्बंध में प्रायः कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे, अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्यतः व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के सम्बंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है। इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं ये देश भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

भारत की प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीन आसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में "शुभ लाभ" की विचारधारा पर कार्य किया जाता है। परंतु, पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुक्सान क्यों नहीं उठाना पड़े, इसे "शुद्ध लाभ" की संज्ञा दी जाती है। और, इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से "शून्य लाभ" के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंततः व्यापार ही समाप्त होने की ओर आगे बढ़ जाता है। पश्चिमी एवं अन्य कई देशों में आज पूंजीवाद की विचारधारा को ही अपना लिया गया है। जिसके परिणामस्वरूप केवल लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार करने वाली अमेरिकी कम्पनियों की सम्पत्ति आज कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली माइक्रोसॉफ्ट नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 3.126 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। एप्पल नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 2.65 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। ऐमेजोन नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 1.87 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। इसी प्रकार, मेटा नामक अमेरिकी कम्पनी की सम्पत्ति 1.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। अमेरिका ने अधिकतम लाभ अर्जन को मुख्य उद्देश्य मानकर पूंजीवाद को बढ़ावा दिया जिससे आज अमेरिका कई अरबपति बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वर्ग बन गया है और आज इन अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सम्पत्ति कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। ब्रिटेन, कनाडा, फ्रान्स आदि जैसी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास है। भारतीय परम्परा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांटकर समाज में अति पिछड़ा वर्ग की मदद हेतु भी एक हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि अति गरीब वर्ग भूखा न रहे। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना का संचार करते है। इसी कारण से आज विश्व भर में फैले आतंकवाद से निपटने में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। अतः भारतीय सनातन संस्कृति को पूरे विश्व के हितार्थ समस्त देशों को अपनाना चाहिए, आज यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है।

पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। इसीलिए भारत ने विश्व में दिलों को जीता है एवं कभी भी किसी देश पर आक्रमण करते हुए उनकी भूमि के एक इंच हिस्से पर भी अपना कब्जा नहीं जमाया है। साथ ही, भारत में "संयुक्त परिवार ही भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है"। पश्चिमी देशों में तो आज संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां पर सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिखाई दे रहा है। इन देशों में तलाक की दर बहुत अधिक है और इन देशों में नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को एक पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती है। बुजुर्ग दम्पति अपने अंतिम समय पर बहुत पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसा की प्रवृति बढ़ रही है एवं छोटे छोटे बच्चे डीप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। उक्त प्रकार की कई सामाजिक बुराईयों ने इन देशों में अपना घर बना लिया है। "भारत ने विश्व का दिल जीता है" एवं "भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है", "सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के DNA में है" जैसे विमर्श आज हम भारतीयों को गढ़ने की जरूरत है।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि "प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय", यह भारतीय विचारधारा है। हिंदू एक जीवन पद्धति है इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। धर्म का आश्य अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से है। जबकि कई बार हिंदू शब्द को धर्म से जोड़ दिया जाता है और हिंदू को एक अलग धर्म मान लिया जाता है। हिंदू राष्ट्र भारत की संकल्पना है।

अतः आज यदि कुछ विदेशी शक्तियां भारत के विरुद्ध झूठे विमर्श गढ़ने में व्यस्त हैं तो भारत को भी अपने बारे में सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ने की महती आवश्यकता है। भारतीय सनातन संस्कृति तो इस धरा पर उपस्थित समस्त जीवों के भले की बात करती है, इसीलिए भारत में पर्वत, नदी, पेड़, पौधों, जंतुओं आदि को भी पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। परंतु, दुर्भाग्य से आज पूरे विश्व में हिंसा व्याप्त है। इस हिंसा को केवल और केवल भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपना कर ही रोका जा सकता है। भारत के बारे में वास्तविक एवं सत्य पर आधारित विमर्श को गढ़कर, इस विमर्श के माध्यम से विश्व के अन्य देशों के नागरिकों को भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

नेताजी के समाजवाद को आगे ले जाएंगे...पिता की दूसरी पुण्यतिथि पर अखिलेश का बड़ा संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की आज दूसरी पुण्यतिथि है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सैफई में उनकी प्रतिमा के ऊपर माल्यार्पण कर के श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडेय भी मौजूद थे। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नेता जी ने देश को समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता दिखाया और पार्टी उनके सिद्धांतों को आगे बढ़ा रही है। उनके पिता ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चेतना जगाई और देश को समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता दिखाया।

उनके मूल्यों और सिद्धांतों पर चलेंगे

सपा प्रमुख ने कही, नेता जी मुलायम सिंह यादव इसी धरती से संघर्ष करके धरती पुत्र के नाम से जाने गए। उन्होंने राजनीति के बड़े-बड़े उतार-चढ़ाव देखे और समाज व राजनीति को हमेशा दिशा दी। सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक चेतना जगाई और देश को समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता दिखाया। हम सभी उसी पर चल रहे हैं।

सपा प्रमुख ने कहा, हम संकल्प लेते हैं कि नेताजी के समाजवादी मूल्यों व सिद्धांतों को और बढ़ाकर लोगों का जीवन बदलने की उनकी मुहिम को आगे बढ़ायेंगे। नेताजी ने गैर बराबरी के खिलाफ पूरा जीवन लगा दिया।

समाजवाद को आगे ले जाएंगे

सपा महासचिव और मुलायम के छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव ने भी इस अवसर पर संवाददाताओं से कहा, नेताजी ने लोहिया के समाजवाद को पूरे देश में फैलाया। उन्होंने किसानों और गरीबों के लिये जो काम किया है। छात्रों, व्यापारियों और नौजवानों के लिये जो किया है वह भुलाया नहीं जा सकता है। आज हम नेताजी को नमन करते हैं और उनके आदर्शों और सिद्धांतों पर चलकर समाजवाद को आगे ले जाएंगे।

सीएम योगी ने श्रद्धांजलि दी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

डिप्टी सीएम केशव प्रशाद मौर्य ने भी श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक व वरिष्ठ राजनेता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

पूरा कुनबा सैफई में जुटा

मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके समाधिस्थल को फूलों से सजाया गया और उसके चारों तरफ सपा के झंडे लगाए गए। इस मौके पर मैनपुरी से सपा सांसद डिम्पल यादव, सपा के प्रमुख महासचिव राम गोपाल यादव और बदायूं से सपा सांसद धर्मेंद्र यादव समेत यादव परिवार के अनेक सदस्य भी मौजूद थे। सपा संस्थापक, पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया था।

सुग्रीव और बाली में हुआ घनघोर युद्ध, राम के बाण से हुआ बाली का अंत

आर्यावर्त संवाददाता

सिराथू, कौशाम्बी। शहजादपुर में चल रही रामलीला में गुरुवार को बाली और सुग्रीव के युद्ध का मंचन किया गया। पंडाल में उपस्थिति भक्तों ने युद्ध का सजीव लुत्फ उठाया। बाली के मारे जाने पर जय श्रीराम के उद्घोष से पंडाल को भक्तिमय कर दिया। श्रीराम और हनुमान मिलन के बाद हनुमान राम और लक्ष्मण दोनों भाइयों को लेकर सुग्रीव के पास जाते है और उनसे माता सीता का रावण द्वारा छल कर हरण किए जाने की पूरी बात बताते हुए श्रीराम का माता सीता की खोज में सहयोग करने का वचन दिलवाया। उसके बाद सुग्रीव ने श्रीराम से अपने भाई बाली के द्वारा किष्किंधा का राजपाट और पत्नी को भी छीन लिए जाने का सारा वृतांत बताया। श्रीराम मित्र सुग्रीव को उनका राजपाट और पत्नी को पुनः दिलाने का वादा करते है। फिर उनके कहने पर सुग्रीव बाली के महल के पास जाकर युद्ध के लिए ललकारते है। दोनों भाइयों में घनघोर गदा युद्ध होने लगता है। बाली सुग्रीव को मार मार कर अधमरा कर देता है तो सुग्रीव किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग आता है और श्रीराम से कहता है आपने तो मुझे मरवा ही डाला था। आखिर आपने बाण क्यों नही चलाया? श्रीराम उसे सांत्वना देते है की मित्र दोनों भाइयों की शक्ल और शरीर एक जैसी होने के कारण मैं बाण नही चला पाया की कहीं मेरा बाण मित्र को न लग जाए। फिर श्रीराम सुग्रीव के गले पुष्पहार डाल कर उन्हे बाली से युद्ध के लिए पुनः भेजते है। दोनों फिर भयंकर युद्ध हुआ और इसी बीच में श्रीराम मौका देखकर अपने बाण छोड़ते है जो जाकर बाली के सीने की भेदते हुए उसके प्राण हर लेता है। बाली का अंत होते ही श्रद्धालु जय श्रीराम के जयकारे से पंडाल को भक्तिमय बना दिया। बाली के प्राणांत के बाद लक्ष्मण सुग्रीव का राजतिलक करते है और बाली के पुत्र अंगद को युवराज बनाते है।

मुर्गी फार्म में 3 दलित बच्चों का सिर मुंडवाया, कालिख पोत चेहरे पर लिखा चोर... मच गया बवाल

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में उस वक्त बवाल मच गया जब तीन दलित बच्चों के साथ बदसलूकी की गई। चोरी के शक में तीनों बच्चों को मुर्गी फार्म ले जाया गया। वहां उस्तरे से तीनों का सिर मुंडवाकर उनके चेहरे पर कालिख पोत दी। फिर चेहरे पर चोर लिख दिया। उसके बाद मासूमों के हाथ पैर बांधकर उन्हें खूब पीटा और पूरे गांव में घुमाया। तीनों बच्चे दबंगों के सामने रहम की गुहार लगाते रहे। लेकिन दबंगों को उन पर तरस न आया। न ही गांव के किसी व्यक्ति ने उन्हें बचाने की हिम्मत की।

मामला नानपारा के ताजपुर टेडिया गांव का है। बात पुलिस तक पहुंची तो इस पर एक्शन लिया गया। पुलिस ने बच्चों के साथ बदसलूकी करने वाले तीनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। उनके खिलाफ आगामी कार्रवाई जारी है।

जानकारी के मुताबिक, ताजपुर

टेडिया गांव के रहने वाले नाजिम के फार्म हाउस से गेहूं और गंडासा चोरी हो गया था। उसने अपने दोस्त कासिम और इनायत को फार्म हाउस पर बुलाया। चोरी के शक में गांव के 3 बच्चों को जबरन उठाकर मुर्गी फार्म हाउस ले गए। उन्हें लात-घूसों से पीटा। फिर तीनों के हाथ रस्सी से बांध दिए। बच्चों के मुंह पर कालिख पोत दी। आधा सिर मुंडवा दिय और पूरे गांव में घुमाया।

इसलिए झूठा आरोप लगाकर पीटा

बच्चों के घर वालों को जब इसकी जानकारी हुई तो वो बी वहां पहुंच गए। हाथ जोड़कर बच्चों को दबंगों के चंगुल से छुड़ाया। बच्चों की उम्र 10 से 14 साल के बीच बताई जा रही है। बच्चों के परिजनों ने आरोप लगाया- बच्चों ने मुर्गी फार्म पर एक साल तक काम किया था। 5 दिन पहले ही काम छोड़ दिया था। इससे नाराज होकर संचालकों ने चोरी का झूठा आरोप लगाते हुए बच्चों के साथ घटना को अंजाम दिया। नानपारा के CO ने बताया- परिजनों की शिकायत पर SC-ST में मुकदमा दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

भाजपा विधायक की एसयूवी से पेशी पर पहुंचे हाथरस कांड वाले भोले बाबा, समागम में भगदड़ से मरे थे 121 लोग

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। हाथरस कांड की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के सामने गुरुवार को स्वयंभू संत भोले बाबा उर्फ बाबा नारायण साकार हरि की पेशी हुई। वह विधायक बाबूराम पासवान की 'भाजपा विधायक' लिखी गाड़ी में बैठकर भारी सुरक्षा के बीच पहुंचे और अपना बयान दर्ज कराया। इस दौरान लखनऊ के हजरतगंज सचिवालय में बने न्यायिक आयोग के दफ्तर के अंदर बाहर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। भोले बाबा की पेशी के दौरान विधायक बाबूराम पासवान भी उनके साथ रहे।

हालांकि न्यायिक आयोग के अध्यक्ष और रिटायर्ड जज बृजेश कुमार श्रीवास्तव के सामने भोले बाबा को अकेले ही जाने दिया गया। जहां उन्होंने अपने बयान दर्ज कराने के साथ ही आयोग की ओर से पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। बता दें कि

इसी साल दो जुलाई को भोले बाबा उर्फ सूरजपाल उर्फ साकार नारायण हरि का सत्संग आयोजित किया गया था। सत्संग खत्म होने के बाद जब भोले बाबा कार्यक्रम स्थल से जाने लगे थे, ठीक उसी समय भगदड़ मच गई। इसमें 121 लोग मारे गए थे। वहीं दो दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह से घायल हुए थे। यह सभी लोग अन्य लोगों द्वारा कुचले जाने की वजह से घायल हुए और मारे गए थे। इस मामले में हाथरस पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया था। शुरू में नाम भोले बाबा का भी था, लेकिन चार्जशीट में उनके नाम को हटा लिया गया था।

दो घंटे से अधिक हुई पूछताछ

न्यायिक आयोग के सामने भोले बाबा से बंद कमरे में करीब 2।15 घंटे तक पूछताछ हुई। इस दौरान आयोग ने संत्संग स्थल पर भगदड़ को लेकर कई सवाल पूछे। इस दौरान भोले बाबा ने सत्संग में शामिल 1100 लोगों का एफिडेविट भी आयोग को सौंपा। बताया जा रहा है कि भोले बाबा ने आयोग की ओर से पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए हैं। इस पूछताछ के दौरान पुलिस ने करीब एक किमी का इलाका सील कर दिया था। यहां तक कि जनपथ मार्केट की सभी दुकानों को भी बंद करा दिया गया था। चूंकि बाबा के लखनऊ आने की सूचना पर बड़ी संख्या में उनके अनुयायी भी पहुंच गए थे, इसलिए जगह-जगह पुलिस और RAF के जवान तैनात रहे।

कौन है भोले बाबा?

मूल रूप से कांशीराम नगर (कासगंज) में पटियाली गांव के रहने वाले भोले बाबा का असली नाम सूरजपाल है। वह उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए थे और 18 साल नौकरी के बाद VRS ले लिया था। घर लौटने के बाद वह अपने गांव में ही झोपड़ी बनाकर रहने लगे और कुछ दिन बाद ईश्वर से साक्षात्कार का दावा करते हुए खुद को स्वयंभू संत घोषित कर दिया। विश्व हरि साकार उर्फ भोले बाबा को अनुयायियों की लंबी कतार है। इनका विवादों से भी पुराना नाता है। इटावा में पोस्टिंग के दौरान इनके खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगा था। बताया जाता है कि इस घटना के बाद इन्हें पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इसी मामले में इन्हें जेल भी जाना पड़ा था।

हरदोई : शराब पीकर आया तड़िपार बेटा, पिता ने टोका तो ईंट से कुचकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में एक बार फिर पिता पुत्र का रिश्ता कलंकित हुआ है। यहां एक बेटे नालायक बेटे ने अपने ही हाथों से कुचल कर पिता की हत्या कर दी है। आरोपी पुराना हिस्ट्रीशीटर है और पूर्व में तड़िपार भी हो चुका है। हाल ही में जिला बदर की अवधि पूरी होने पर अपने घर लौटा है। बुधवार की रात वह शराब के नशे की हालत में इस वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के पिता का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने आरोपी की धरपकड़ के लिए टीमों का गठन किया है। मामला हरदोई के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के भट्टा पुरवा मुहल्ले का है। पुलिस के मुताबिक इस मुहल्ले में रहने वाले अधेड़ सुधीर गुप्ता

रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। बुधवार की देर शाम वह काम से घर लौटे, इतने में उनका हिस्ट्रीशीटर बेटा कुलदीप भी शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंच गया। इसके बाद आरोपी कुलदीप घर वालों से गाली गलौज करने लगा।

पिता ने डांट से नाराज आरोपी ने किया हमला

उसकी हालत को देखकर सुनील गुप्ता ने उसे थोड़ी डांट लगाई, लेकिन यह डांट कुलदीप को नागवार लगी और उसने पास में पड़ा ईंट का टुकड़ा उठाकर अपने पिता के ऊपर ताबड़तोड़ वार करने लगा। वहीं जब अचानक हुए इस हमले में सुनील गुप्ता गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े तो आरोपी उन्हें छोड़ कर मौके से फरार हो गया। इतने में सुनील गुप्ता के घर वाले वहां आ गए और आनन फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

छह महीने रह चुका है तड़िपार

पुलिस के मुताबिक आरोपी कुलदीप हिस्ट्रीशीटर बदमाश है और छह महीने पहले उसे तड़िपार किया गया था। अब जिला बदर की अवधि पूरी होने के बाद वह घर लौटा है। पुलिस ने बताया कि इस बदमाश के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र सिंह के मुताबिक आरोपी की तलाश में टीमों का गठन किया गया है। वहीं उसके पिता का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ऑनलाइन कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विशेषज्ञों ने किया जागरूक

कौशाम्बी। दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके विकास के क्षेत्र में कार्य कर रही सरगम संस्था के तत्वाधान में गुरुवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिले के मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. कमलेंद्र कुशवाहा, बीईओ मुख्यालय प्रमोद कुमार गुप्ता ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस से जुड़ी जानकारियों को साझा करते हुए कार्यक्रम आयोजक व सरगम संस्था की प्रमुख राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका अनुराधा पाण्डेय को कार्यक्रम आयोजन हेतु सराहा। मुख्य चिकित्साअधिकारी ने बताया कि मानसिक रोगियों को इलाज के साथ सहानुभूति की आवश्यकता होती है।

वाराणसी में जलेगा सबसे ऊंचा रावण, नालंदा की आतिशबाजी से गूंजेगा आसमान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। विजयदशमी पर्व पर रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद का पुतला दहन आकर्षण का केंद्र होता है। शहर में तीन स्थानों पर होने वाले पुतला दहन को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती है। इस बार भी बरेका में सबसे ऊंचा रावण का पुतला जलाने की योजना है।

बरेका में 75 फीट, रामनगर की रामलीला में 65 फीट तो मलदहिया में 40 फीट का रावण जलाया जाएगा। मलदहिया के रावण के पुतले के दहन के साथ गूंजने वाली विशेष आतिशबाजी को बिहार के नालंदा से मंगाया गया है।

बरेका के खेल कूद मैदान में सभी पुतले क्रेन की सहायता से 11 अक्टूबर को मैदान में खड़े कर दिए जाएंगे। वहां रावण का पुतला 75 फीट, कुंभकर्ण का 65 फीट तो मेघनाद का पुतला 55 फीट का होगा। इनके निर्माण में मडुआडीह निवासी

शमसाद खान के स्वजन समेत लगभग एक दर्जन कारीगर 20 अगस्त से लगे हुए थे।

पुतलों के निर्माण में 150 बांस, एक कुंतल 20 किलो तांत, दो कुंटल पेपर, एक कुंटल मैदा और 200 सूती साड़ी,100 लीटर डिस्टेंपर, 50 किलो सुतली, आठ लीटर स्टिनर का प्रयोग किया गया है। इनके अलावा, इस बार सोने की लंका का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसे रावण के दहन के समय ही जलाया जाएगा। पुतलों के साथ एक आतिशबाजी का संयोजन एक घंटे तक चलेगा।

रामनगर में जलता है 60 फीट ऊंचा रावण

रामनगर मेंकी विश्व प्रसिद्ध रामलीला में शनिवार की रात 10 बजकर 25 मिनट पर लंका मैदान में रावण का पुतला दहन होगा। पुतला निर्माण में लगे राजू खान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष यहां रावण का पुतला 60 फीट ऊंचा व 30 फीट चौड़ा बनाया जाता है। जिसे बांस की फट्टी से बनाकर अमेरिकन नायलान रस्सी से बांधा जाता है। विभिन्न रंगों के कागज, पन्नी से कवर किया जाता है। पुतले के बीच में पताई भरी जाती है जिसे श्रीराम के तीर मारने के बाद डीजल से जलाया जाता है। इसके साथ ही यहां कुंभकर्ण का 55 फीट व मेघनाथ का 50 फीट ऊंचा पुतला बनता है। रामनगर में कुंभकरण व मेघनाथ के पुतला दहन की परंपरा नहीं है, यहां तीर मारने के बाद मृत्यु स्वरूप कुंभकरण व मेघनाथ के पुतलों को गिरा दिया जाता है।

यूपी उपचुनाव में अखिलेश ने जाति की बिसात पर चला जीत की गारंटी का दांव?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने सिपहसालार उतार दिए हैं। सपा ने सूबे की दस में से छह सीट पर बुधवार को उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। उपचुनाव की पहली सूची में सपा ने सियासी परिवारों से बेटे-बेटियों, पत्नी और भाई को मौका देने के साथ जाति की बिसात बिछाने की कवायद की है। तीन पिछड़े, दो मुस्लिम और एक दलित को टिकट देकर सपा ने पीडीए फॉर्मूले को बरकरार रखा तो साथ ही सीट के सियासी और जातीय मिजाज को भी देखकर दांव चला है ताकि जीत की गारंटी तय हो सके?

समाजवादी पार्टी ने करहल सीट से तेजप्रताप यादव, मिल्कीपुर सीट से अजीत प्रसाद, कटहरी सीट से शोभावती वर्मा, फूलपुर सीट से मुस्तफा सिद्दीकी, मझवां सीट से ज्योति बिंद और सीसामऊ सीट से

नसीम सोलंकी को उम्मीदवार बनाया है। मीरापुर, कुंदरकी, खैर और गाजियाबाद सदर सीट पर सपा ने उम्मीदवार घोषित नहीं किए। सपा ने जिन छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, उनमें से फूलपुर और मझवां सीट छोड़कर बाकी चार सीट पर 2022 में जीतने में कामयाब रही थी। इसीलिए सपा ने उपचुनाव में भी अपना दबदबा बनाए रखने के लिए परिवारवाद से किनारा नहीं किया और जीत के आधार को देखते हुए दांव खेला है।

करहल सीट पर सपा का यादव दांव

मैनपुरी जिले की करहल विधानसभा सीट से सपा प्रमुख अखिलेश यादव 2022 में विधायक चुने गए थे। 2024 में कन्नौज से लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद ये सीट खाली हुई है। करहल सीट पर यादव वोटों के सियासी समीकरण को देखते हुए अखिलेश ने अपने भतीजे पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को उतारा है। मैनपुरी लोकसभा सीट से डिंपल यादव सांसद चुनी गई हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में करहल सीट से सपा को करीब 1।34 लाख वोट मिले थे। करहल सीट पर जातिगत समीकरण देखें तो यादव वोटर सवा लाख के करीब हैं। इसके बाद शाक्य, बघेल और ठाकुर मतदाता हैं, लेकिन तीनों वोट लगभग बराबर हैं।

करहल सीट का सियासी समीकरण

2002 में सिर्फ एक बार बीजेपी यह सीट जीती है और ज्यादातर सपा का कब्जा रहा है। यादव विधायक ही चुने जाते रहे हैं, जिसके चलते अखिलेश ने तेज प्रताप के रूप में यादव प्रत्याशी उतारकर करहल के सियासी समीकरण को साधने का दांव चला है। यादव वोटों के सहारे सपा यह सीट जीतती रही है और उपचुनाव में यही दांव खेला है। बीजेपी और बसपा ने अभी तक करहल सीट पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। 2022 के चुनाव में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को उतारा था, लेकिन वह जीत नहीं सके। सपा यह सीट बचाए रखने के लिए मैनपुरी से पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को उतारा है, जो अखिलेश यादव के भतीजे हैं और लालू यादव के दामाद हैं।

मिल्कीपुर सीट सपा ने खेला पासी कार्ड

अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर सपा ने अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को उतारा है। अवधेश प्रसाद सांसद बनने से पहले इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत ही मिल्कीपुर सीट आती हैं, 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल्कीपुर सीट पर सपा को 95612 वोट मिले थे। मिल्कीपुर में पिछले तीन विधानसभा चुनाव में दो बार सपा और एक बार 2017 में बीजेपी ने जीत दर्ज की थी। इसीलिए सपा ने मिल्कीपुर सीट पर अवधेश प्रसाद के बेटे को उतारा है ताकि जीत को बरकरार रखा जा सके, लेकिन बसपा ने इस सीट पर राम गोपाल को उतार रखा है।

मिल्कीपुर में जातीय समीकरण

जातीय समीकरण के लिहाज से देखें तो मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर अनुसूचित जाति के मतदाता सबसे ज्यादा हैं, जिसके चलते यह सीट दलितों के लिए आरक्षित है। दलित समुदाय में पासी जाति का वोट यहां पर बड़ी संख्या में है, उसके बाद कोरी जाति के मतदाता हैं। सामान्य वर्ग में ब्राह्मण और ठाकुर वोटर हैं। ओबीसी वर्ग में निषाद, कुर्मी और मौर्य वोटर हैं। मुस्लिम और यादव मतदाता यहां पर 50-50 हजार के करीब हैं। यादव, पासी और मुस्लिम समीकरण के सहारे सपा मिल्कीपुर सीट को अपने पास बरकरार रखने की स्ट्रेटेजी अपनाई है।

कटेहरी सीट पर कुर्मी पर जताया भरोसा

कटेहरी विधानसभा सीट से विधायक रहे लालजी वर्मा के अंबेडकरनगर लोकसभा सांसद चुने जाने के चलते यह सीट खाली हुई है। इसीलिए सपा ने लालजी वर्मा की पत्नी शोभावती वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। यह सीट बसपा की परंपरागत सीट रही है, लेकिन लालजी वर्मा के पाला बदलने के बाद समीकरण बदल गए हैं। बीजेपी ने यह सीट सिर्फ 1992 में एक बार जीती थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में लालजी वर्मा को कटेहरी विधानसभा पर 1।07 लाख वोट मिले थे जबकि बीजेपी के प्रत्याशी रितेश पांडेय को 90 हजार वोट मिल सके थे। इस तरह सपा का पलड़ा भारी रहा था।

क्या है पार्टियों की रणनीति?

जातीय समीकरण के लिहाज से देखें तो कटेहरी सीट पर दलित और कुर्मी वोटर्स सबसे अहम हैं। इसके बाद मुस्लिम, ब्राह्मण और निषाद समाज के मतदाता हैं। ऐसे ही यादव-ठाकुर, निषाद और राजभर वोटर भी निर्णायक भूमिका में है। सपा ने कुर्मी कैंडिडेट के तौर पर शोभावती वर्मा को उतारा है, लेकिन बसपा ने भी अमित वर्मा के रूप में कुर्मी दांव चला है। बसपा की स्ट्रेटेजी कुर्मी-दलित समीकरण की है तो सपा की रणनीति कुर्मी-मुस्लिम-यादव समीकरण के सहारे जीत दर्ज करने की है।

मझवां सीट पर मल्लाह पर खेला दांव

मिर्जापुर जिले की मझवां विधानसभा सीट से विधायक विनोद कुमार बिंद के भदोही से सांसद चुने जाने के चलते यह सीट खाली हुई है। सपा ने इस सीट पर पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी डॉ। ज्योति बिंद को प्रत्याशी बनाया है, जो मल्लाह समुदाय से आती हैं। सपा इस सीट पर कभी जीत नहीं सकी है जबकि बसपा पांच बार जीतने में सफल रही। जातिगत समीकरण के लिहाज से देखे तो बिंद यानी मल्लाह वोटर 70 हजार के करीब हैं। इसके बाद दलित और ब्राह्मण 60-60 हजार हैं। कुशवाहा 30 हजार, पाल 22 हजार, राजपूत 20 हजार, मुस्लिम 22 हजार, पटेल 16 हजार हैं। इसीलिए सपा के सामने बिंद प्रत्याशी के तौर पर ज्योति बिंद का दांव खेलकर खाता खोलने की चुनौती है।

दशहरा, करवा चौथ या दीवाली, हर मौके पर घर की खूबसूरती बढ़ाएंगी सजावट की ये चीजें

आजकल लोग अपने घरों को यूनिक लुक देने के लिए वुडन आर्ट एंड क्राफ्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आप भी अपने बजट के अनुसार इससे अपना घर सजा सकती हैं।

त्योहारों का सिलसिला हो गया हैं। ऐसे में आप में से अधिकतर महिलाएं अपने घर के लुक में बदलाव करने का विचार बना ही रही होंगी तो क्यों न इस बार घर को वुडन आर्ट एंड क्राफ्ट आइटम्स से सजाया जाए। इस समय वुडन आर्ट काफी चलन में है, जो कि देखने में बेहद खूबसूरत नजर आता है, साथ ही यह आपके बजट में आसानी से बाजारों में उपलब्ध है।

पोर्टेबल रंगोली

आजकल बाजार में रंग-बिरंगी लकड़ी की पोर्टेबल रंगोली मिल रही है, जो आपको कई आकर्षक डिजाइनों में मिल जाएगी। असल में, यह रंगोली लकड़ी के खांचे में बनी होती है, जिसे आप अपने पसंदीदा रंगों से सजा सकती हैं। खास बात यह कि आम रंगोली के मुकाबले इसमें आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। लकड़ी की यह रंगोली आपके घर में रंगीन और उत्सवपूर्ण वातावरण पैदा करती है।

विंड चाइम्स की मधुर धुन

विंड चाइम्स लंबे समय से घरों की शोभा बढ़ाते आए हैं। ये देखने में खूबसूरत होते हैं। लकड़ी से बने विंड चाइम्स घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। साथ ही यह आपके घर की साज-सज्जा को भी खूबसूरती से सजाते हैं। इनको आप दरवाजों पर, खिड़कियों के पास या बालकनी में भी लटका सकती हैं। फेंगशुई के अनुसार, लकड़ी के विंड चाइम्स सुंदर और आरामदायक स्वर प्रदान करते हैं, जो रात की नींद के लिए आदर्श हैं।

फोटो फ्रेम एवं आईने

वुडन फोटो फ्रेम घर के हर कोने को सजाने का एक सस्ता और आसान तरीका है। आपको यह फ्रेम गोल, आयताकार या वर्गाकार जैसे कई आकारों में आसानी से मिल जाएगा। वहीं आप बेड रूम, हॉल और बाथरूम में अपनी पसंद के गोल, आयताकार तथा नक्काशी वाले लकड़ी के फ्रेम का आईना लगा सकती हैं। घर में इसकी मौजूदगी खूबसूरती को बढ़ा देती है।

लैंप और लालटेन

आप घर की सजावट में लकड़ी के लैंप और लालटेन को भी शामिल कर सकती हैं। ये घर में चमक बिखेरते हुए नरम, आकर्षक और आरामदायक माहौल बनाते हैं और घर की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। आप इनको लिविंग रूम, डाइनिंग टेबल या बेड रूम में भी लगा सकती हैं।

शोपीस और मूर्तियां

आजकल लकड़ी से बनी मूर्तियां और शोपीस भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। ऐसे में लकड़ी से बनी देवी-देवताओं की मूर्तियां आपके घर में आध्यात्मिक और शांत वातावरण को जोड़ सकती हैं। बाजार में आपको ये सस्ते दामों पर मिल जाएगी, जिन को आप अपने बेडरूम, ड्राइंग रूम या घर के जिस कोने में चाहें, लगा सकती हैं, क्योंकि ये देखने बेहद खूबसूरत लगते हैं।

बर्तन भी कमाल

आप अपने किचन में लकड़ी के बर्तनों को भी शामिल कर उसकी शोभा बढ़ा सकती हैं। साथ ही इन को दीवार पर सजा सकती हैं या फिर खाना खाने तथा सर्व करने के लिए इनका उपयोग कर सकती हैं। लकड़ी के बर्तन कार्य और सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन होते हैं, जो कि कई तरह की डिजाइन में आते हैं।

झूमर की शान

वुडन सजावट में आप अपने लिविंग रूम में लकड़ी का खूबसूरत झूमर भी लगा सकती हैं। यह देखने में बेहद आकर्षक और खूबसूरत लगता है, जो लिविंग रूम को क्लासी लुक देता है। बाजारों में यह झूमर कई छोटे-बड़े आकारों और खूबसूरत डिजाइनों में उपलब्ध है, जिसको आप अपने बजट और कमरे के आकार के हिसाब से खरीद सकती हैं।

ये रहे ब्रेकअप के फायदे, एक बार जान लिया तो रिश्ता तोड़ने का गम हो जाएगा कम

ब्रेकअप का अनुभव जिंदगी के सबसे खराब अनुभवों में से एक होता है, लेकिन कई बार ये जरूरी हो जाता है। कम ही लोगों ने इस पर ध्यान दिया होगा कि ब्रेकअप के भी कुछ फायदे हैं। क्या हैं ब्रेकअप करने के फायदे, चलिए आपको बताते हैं।

कहते हैं कोई रिश्ता जोड़ना जितना मुश्किल होता है उसे तोड़ना उतना ही मुश्किल होता है। लेकिन, ये सच नहीं है, रिश्ता टूटने का गम भी दिल को तोड़ देने वाला होता है। तभी तो लोग रिश्ता टूटने के ख्याल से भी डरते हैं। आपने कई लोगों को देखा होगा, जो ब्रेकअप के बाद बुरी तरह टूट जाते हैं और महीनों-सालों ब्रेकअप के दर्द से बाहर नहीं आ पाते। इस दर्द के ख्याल के चलते कई लोग एक टॉक्सिक रिश्ते में भी बंधे रहते हैं। ब्रेकअप का अनुभव जिंदगी के सबसे खराब अनुभवों में से एक होता है, लेकिन कई बार ये जरूरी हो जाता है। कम ही लोगों ने इस पर ध्यान दिया होगा कि ब्रेकअप के भी कुछ फायदे हैं। क्या हैं ब्रेकअप करने के फायदे, चलिए आपको बताते हैं।

लोगों की पहचान करना

ब्रेकअप का दर्द जितना दुखदायी होता है, इससे सीखे भी उतनी ही मिलती हैं। कहते हैं ना जिंदगी में कई बार ठोकर लगना भी जरूरी हो जाता है। ऐसे ही ब्रेकअप भी एक ठोकर जैसा ही है। अगर आप किसी टॉक्सिक रिश्ते में हैं और ऐसे शख्स से अपना रिश्ता खत्म करते हैं, जो आपके लिए सही नहीं है तो कहीं ना कहीं आपको लोगों की पहचान करना अपने आप आ जाता है। आपको इसके बाद ये तो पता चल ही जाता है कि आप अपनी जिंदगी में कैसा शख्स चाहते हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

ब्रेकअप का दर्द दिल को झकझोर कर रख देने वाला होता है। लेकिन, कई बार ये आपको जीवन जीने की कला भी सिखा जाता है, जिससे आपको खुद के अंदर एक अलग आत्मविश्वास का अहसास होगा। आप जिंदगी अपने हिसाब से जीना शुरू कर देते हैं, आपको किसी दूसरे से राय लेने की जरूरत महसूस नहीं होती।

खूबसूरत और फिट

ब्रेकअप के बाद आसानी से लोग आपका फायदा नहीं उठा पाते।

सबक सिखाने की कला

ब्रेकअप के बाद अक्सर लोग अपनी जिंदगी में एक मंत्र को हमेशा के लिए अपना लेते हैं, वह है जैसे को तैसा। जब आप किसी रिश्ते में खामियों को नजरअंदाज करते हैं। अपनी नापसंदगी को भी जाहिर नहीं करते, इसके बाद भी आपका पार्टनर आपकी कद्र नहीं करता तो ऐसे शख्स से दूर होने के बाद आपके स्वभाव में भी काफी बदलाव आता है। जहां आप पहले लोगों को जवाब देने से कतराते थे, अब दूसरों की हरकत को समझकर उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दे सकते हैं।

खुद की अहमियत

रिलेशनशिप में होते हुए व्यक्ति अक्सर अपने आप को अहमियत देना कम कर देता है। कई बार आप पार्टनर और रिलेशनशिप की समस्याओं के लिए खुद को कोसते हैं। लेकिन, जब आप उस व्यक्ति से अलग हो जाते हैं तो आपको अपनी अहमियत का एहसास होता है। पता चलता है कि दूसरे लोग भी आपसे बहुत प्यार करते हैं। इससे आप भी अपनी अहमियत समझ जाते हैं। यानी आप खुद से प्यार करना सीखने लगते हैं।

दिखना

रिलेशनशिप में रहते हुए ज्यादातर लोग अपने पर ध्यान देना कम कर देते हैं। लेकिन, जब आप अकेले होते हैं तो खुद के स्वास्थ्य, खूबसूरती और फिटनेस पर भी ध्यान देने लगते हैं। क्योंकि, ब्रेकअप के बाद जिंदगी खत्म नहीं होती, बल्कि अब आप इत्मीनान से सोच सकते हैं कि आपको अपनी जिंदगी में कैसा शख्स चाहिए।

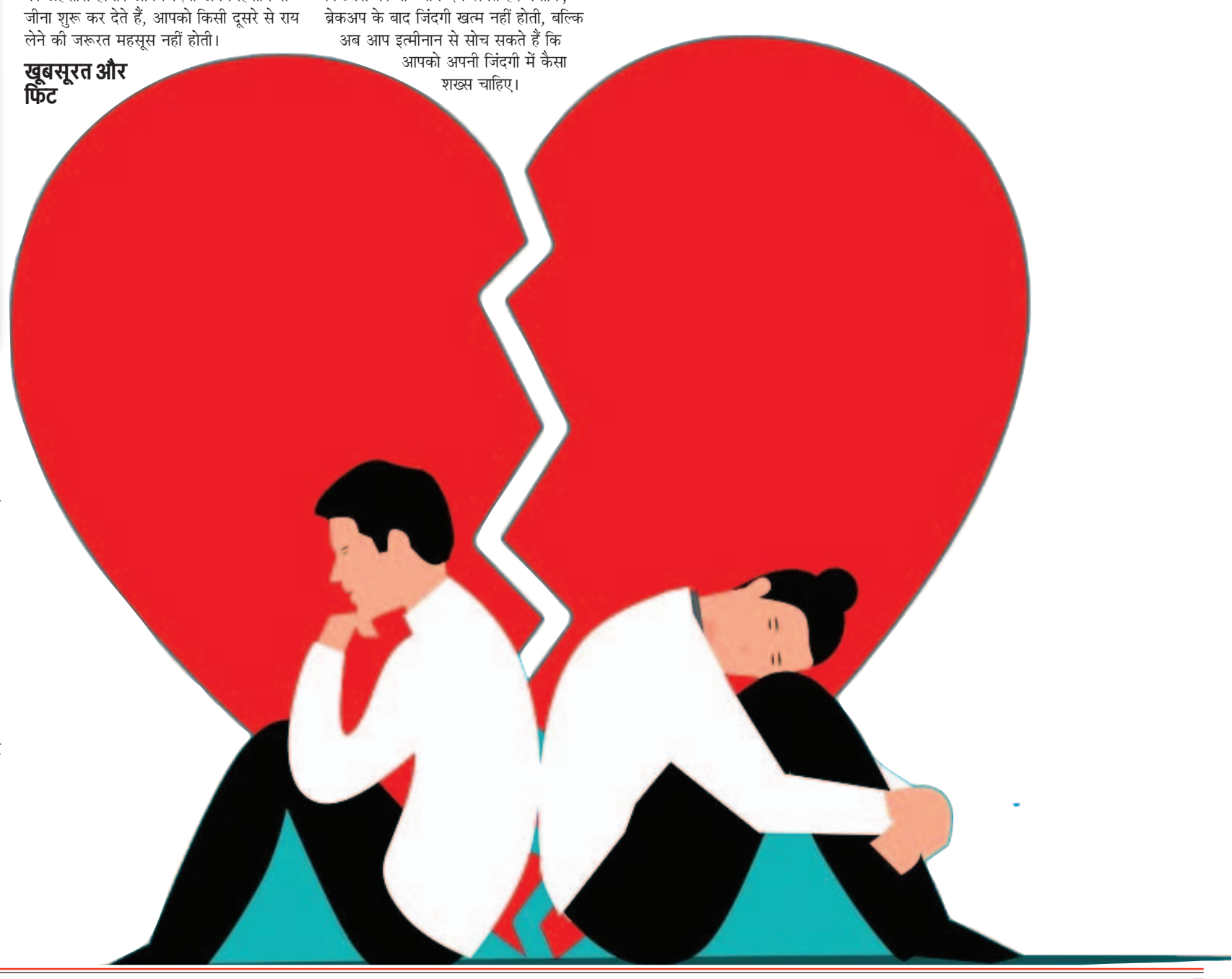

आरबीआई कब कम करेगा आपकी लोन ईएमआई, 6 एक्सपर्ट्स ने की भविष्वाणी

सेंट्रल बैंक ने भले ही रेपो रेट में कोई बदलाव ना किया हो, लेकिन अपनी अपेक्षाकृत आक्रामक रुख को 'न्यूट्रल' कर ब्याज दर में कटौती की दिशा में पहला कदम उठा लिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के 6 एक्सपर्ट्स का क्या कहना है?

भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दर में कोई बदलाव ना करते हुए अपने स्टांस को न्यूट्रल कर दिया है। अपने स्टांस में बदलाव करने के फैसले से आरबीआई ने देशभर के सभी जानकारों को सरप्राइज कर दिया। इसका मतलब है कि आने वाले कुछ महीनों में आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को ओपन कर दिया है। आरबीआई के इस फैसले को व्यावहारिक बता रहे हैं। आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। जानकारों का कहना है कि सेंट्रल बैंक ने भले ही रेपो रेट में कोई बदलाव ना किया हो, लेकिन अपनी अपेक्षाकृत आक्रामक रुख को 'न्यूट्रल' कर ब्याज दर में कटौती की दिशा में पहला कदम उठा लिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के 6 एक्सपर्ट्स का क्या कहना है?

6 जानकारों ने ये की भविष्यवाणी

उद्योग मंडल एसोचैम ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा को यथार्थवादी और व्यावहारिक बताते हुए कहा कि 'उदार रुख वापस लेने' और 'तटस्थ' रुख अपनाना संकेत है कि अगली कुछ तिमाहियों में ब्याज दर में गिरावट आएगी। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि रुख में बदलाव कर 'तटस्थ' करने को सकारात्मक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। यह आरबीआई की मजबूत मौद्रिक नीति की ओर संकेत करता है, जो कि घरेलू और वैश्विक घटनाओं से प्रेरित है।

वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि हालांकि सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दरों में कटौती के निर्णय से नीतिगत दरों में बदलाव के लिए कुछ गुंजाइश बनी है। हालांकि, आरबीआई के ऐसा निर्णय लेने से पहले मुद्रास्फीति और मुद्रा की गतिविधियों पर नजर रखना समझदारी होगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो आरबीआई दिसंबर में ब्याज दर घटा सकता है। त्योहारी महीनों के दौरान कीमतों में उतार-चढ़ाव महत्वपूर्ण होगा।

बंधन बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और शोध प्रमुख सिद्धार्थ सान्याल ने कहा कि रेपो दर पर यथास्थिति कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। एमपीसी ने आने वाले महीनों में वैश्विक स्तर पर संकट, महत्वपूर्ण चुनाव परिणाम, जिंसों के मूल्य रुझान और घरेलू वृद्धि-मुद्रास्फीति गतिशीलता से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं की प्रतीक्षा करने का सही निर्णय लिया।

एचडीएफसी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री अभीक बरुआ ने कहा कि आज की घोषणा ने मौद्रिक नीति निर्माण में घरेलू परिस्थितियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शीर्ष बैंक ने मुद्रास्फीति की दर में टिकाऊ आधार पर कमी की प्रवृत्ति को स्वीकार किया है, हालांकि घरेलू और वैश्विक जोखिमों का जिक्र भी किया है। बरुआ ने कहा कि इसे देखते हुए, अगर आने वाले महीनों में स्थितियां अनुकूल होती हैं, तो दिसंबर में ब्याज दर में कटौती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टोक ब्रोकर्स के मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा ने कहा कि नीतिगत दर रेपो को यथावत रखने और रुख को तटस्थ करने के आरबीआई का निर्णय अपेक्षा के अनुरूप है। हाजरा ने कहा कि हमारा मानना है कि अगर अक्टूबर-दिसंबर, तिमाही तक वृहत आर्थिक संकेतक कमजोर बने रहे, तो दिसंबर, 2024 में दरों में कटौती की संभावना बढ़ जाएगी। हालांकि, अगर वृद्धि में तेजी आती है तो आरबीआई फरवरी, 2025 तक इंतजार कर सकता है।

बजाज फिनसर्व एएमसी के वरिष्ठ कोष प्रबंधक सिद्धार्थ चौधरी ने कहा कि उदार रुख वापस लेने से तटस्थ रुख में बदलाव इस तथ्य की स्वीकृति है कि आधार प्रभाव के कारण अगले कुछ महीनों में उछाल को छोड़कर, आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति कम होने की उम्मीद है। साथ ही वृद्धि के संकेत देने वाले महत्वपूर्ण आंकड़े धीमे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वृद्धि पूर्वानुमान को नीचे की ओर संशोधित नहीं किया गया है, लेकिन इस बदलाव ने आरबीआई के लिए आगामी नीतियों में दरों में कटौती करने की गुंजाइश बनाई है।

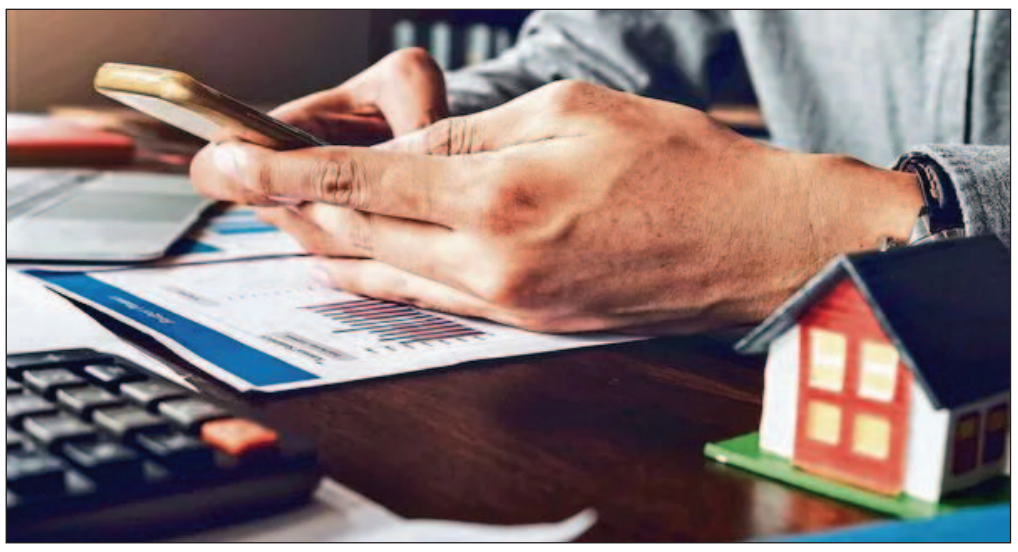

गोदरेज सप्लिट एयर कंडीशनर पर दे रहा 5 साल की कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के हिस्से गोदरेज एंड बॉयस के अप्लायंसेज व्यवसाय ने उपभोक्ताओं के लिए अपने त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है, जिसमें प्रोडक्ट्स से लेकर ब्रांड के त्यौहारी सीजन की पेशकशों तक सोच-समझकर बनाई गई चीजें की फिलॉसफी को प्रमुख स्थान दिया गया है। ब्रांड ने अपने त्योहारी वादे के केंद्र में कन्ज्यूमर्स के अनुभवों को प्रमुखता दी है। एक ओर, बेहतर वित्तीय विकल्पों के साथ, ग्राहक तेजी से प्रीमियम अप्लायंसेज को अपग्रेड करने और उन पर खर्च करने के इच्छुक हैं, तो वहीं दूसरी ओर, अप्लायंसेज की लाइफ भी घट रही है।

शोध से पता चलता है कि वारंटी, टिकाऊपन और बिक्री के बाद की सेवा अप्लायंसेज खरीदते समय उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण कारक बने हुए हैं। यह वार्षिक रखरखाव अनुबंध की बिक्री में आई वृद्धि को बेहतर तरीके से परिभाषित करता है। खासकर एयर कंडीशनर्स जैसी श्रेणियों में, जिनका उपयोग देश में उच्च तापमान के कारण अधिक होता है। दुर्भाग्यवश, बाजार में उपलब्ध कई वारंटीज में छिपे हुए शुल्क और जटिल शर्तें उपभोक्ताओं के दीर्घकालिक अनुभव को प्रभावित करती हैं। इस ज़रूरत को पूरा करते हुए गोदरेज अप्लायंसेज ने बिना किसी अतिरिक्त खर्च के स्प्लिट एयर कंडीशनर के लिए 5 साल की कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी शुरू की है। इसके तहत ?7990/- की मुफ्त वारंटी दी जा रही है। कोई अतिरिक्त खर्च किए और किसी पंजीकरण के ही वारंटी में पूर्ण कवरेज की सुविधा प्रदान करती है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि गैस चार्जिंग, तकनीशियन टेक्निशियन विजिट जैसे कई अतिरिक्त लागतों से ग्राहक सुरक्षित हों। कंपनी का केवल एक ही लक्ष्य है, उत्पाद के पूरे जीवनकाल में ग्राहकों को चिंता मुक्त, आनंददायक अनुभव प्रदान करना।

इसके अलावा, ब्रांड ने रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन जैसे उत्पादों पर भी एक्सटेंडेड वारंटी की भी घोषणा की है। ब्रांड अपने विभिन्न उत्पादों पर आकर्षक प्रमोशन ऑफर्स भी पेश कर रहा है, जिसमें ?12000/- तक के कैशबैक स्कीम और फ्लेक्सिबल फाइनेंसिंग ऑप्शंस, जैसे नो कॉस्ट ईएमआई और जीरो डाउन पेमेंट सुविधाएं शामिल हैं। गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, गोदरेज अप्लायंसेज में, हम न केवल बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराते हैं, बल्कि बेजोड़ सेवा और ग्राहक मूल्य प्रदान करने में भी विश्वास करते हैं। स्प्लिट एयर कंडीशनर पर 5 साल की कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी की हमारी ईमानदार पेशकश यह सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है कि हमारे ग्राहक किसी भी छिपी हुई लागत से मुक्त, पूर्ण मन की शांति के साथ दीर्घकालिक आराम का आनंद ले सकें। इस कैंपेन के अलावा, गोदरेज अप्लायंसेज़ एआई-संचालित उपकरणों की एक श्रृंखला भी पेश कर रहा है, जो प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के साथ ही सुविधाओं को ऑप्टिमाइज करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। साथ ही, विभिन्न सेगमेंट में उच्च क्षमता वाले मॉडल भी पेश किए जा रहे हैं, जो प्रीमियमाइजेशन के ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं, और उपभोक्ताओं के लिए नए आकर्षक डिज़ाइन भी उपलब्ध कराए गए हैं।

आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती की दिशा में पहला कदम उठाया, अपना ये रुख बदला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को अपनी नीतिगत दर यानी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन ब्याज दरों में कटौती की दिशा में पहला कदम उठा दिया है। केंद्रीय बैंक अपनी अपेक्षाकृत आक्रामक नीतिगत रुख को तटस्थ कर दिया है। पैनल ने सर्वसम्मति से नीतिगत रुख को तटस्थ करने का फैसला किया है। मौद्रिक नीति समिति, जिसमें आरबीआई के तीन अधिकारी और समान संख्या में नए बाहरी सदस्य शामिल थे, ने बेंचमार्क पुनर्खरीद या रेपो दर - जो घर, ऑटो, कॉर्पोरेट और अन्य ऋणों की ब्याज दर को नियंत्रित करती है - को 10वीं लगातार नीति बैठक के लिए 6. 5 प्रतिशत पर रखने के लिए पांच-से-एक वोट दिया। ब्याज दरों में आखिरी बार फरवरी 2023 में बदलाव किया गया था, जब उन्हें 6. 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6. 5 प्रतिशत किया गया था।

एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च की मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुमन चौधरी ने कहा कि हालांकि एमपीसी ने दरों में कटौती के बारे में कोई स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं दिया है, लेकिन संभावना है कि यह इस साल दिसंबर या फरवरी 2025 में दरों में कटौती करेगी, बशर्ते मुद्रास्फीति का माहौल स्थिर हो और अगले कुछ महीनों में मुख्य मुद्रास्फीति लगातार 4. 5 प्रतिशत के भीतर रहे। आईसीआरए लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री और अनुसंधान एवं आउटरीच प्रमुख अदिति नायर ने कहा कि एमपीसी समीक्षा ने रुख में बदलाव करके लचीलेपन को प्राथमिकता दी है। इससे दिसंबर 2024 में संभावित दर कटौती का रास्ता खुल गया है, अगर घरेलू और वैश्विक दोनों तरह की मुद्रास्फीति के लिए छिपे हुए जोखिम नहीं बनते हैं।

हमारे विचार में, भारतीय दर कटौती चक्र काफी उथला होगा, जो दो नीति समीक्षाओं में 50 आधार अंकों तक सीमित रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि समिति ने रुख बदल दिया है, लेकिन विकास को समर्थन देते हुए मुद्रास्फीति को लक्ष्य के मुताबिक बनाए रखने पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने यूएस राष्ट्रपति बाइडेन-हैरिस से की बात

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से बुधवार को फोन पर बातचीत की। इनके बीच करीब 50 मिनट की बातचीत हुई है। यह बातचीत उस समय हुई है, जब इजराइल ने हाल में ही लेबनान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई की है और इसके साथ ही ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई का जी रही है। इजराइल ईरान की मिसाइल की जवाब देने की योजना बना रहा है।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कुछ दिन पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी बातचीत की थी।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को इजराइली नेता बेंजामिन नेतन्याहू से बात की।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, "आज सुबह, राष्ट्रपति बाइडेन ने इजराइल के प्रधान मंत्री नेतन्याहू से बात की। उपराष्ट्रपति हैरिस भी कॉल में शामिल हुईं।"

बाइडेन ने इजराइली पीएम को दी थी चेतावनी

21 अगस्त के बाद से इजराइली पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच यह पहली बातचीत थी। इससे पहले इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ भी हमला बोला था। वहीं, बाइडेन ने इजराइल को ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी थी। इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट का बुधवार को वाशिंगटन दौरा होने वाला था, लेकिन बाद में यह यात्रा स्थगित कर दी गई थी। 1 अक्टूबर को ईरान द्वारा इजराइल पर मिसाइल से हमले किये गये थे। इस हमले में इजराइल ने हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह सहित उनके कई साथियों को मार गिराया था।

इजराइल ने दहिह को बनाया निशाना

इस बीच, बुधवार को इजराइल के ताजा हवाई हमलों ने दक्षिणी बेरूत के उपनगर दहिह को तबाह कर दिया। इसे ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह का गढ़ माना जाता है। इजराइली वायु सेना ने कहा कि उसने दहिह में हिजबुल्लाह के हथियार उत्पादन केंद्र और खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाया।

इजराइल रक्षा बलों ने कहा कि वह दक्षिणी लेबनान में जमीन पर तैनात सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा है, जो लंबे समय से हिजबुल्लाह का गढ़ रहा है, और उस क्षेत्र में पश्चिम की ओर आगे बढ़ रहा है। इस बीच आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान के 100 से अधिक शहरों और गांवों में लोगों को खाली करने का आदेश दिया है। वहीं लेबनानी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह पहले इजराइल के सैन्य अभियान शुरू होने के बाद से देश में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

अगर हम लड़ेंगे नहीं तो मारे जाएंगे... इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान

यरुशलम, एजेंसी। इरान और हिजबुल्लाह से युद्ध के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान को केवल इजराइल रोक सकता है। मध्य-पूर्व पर ईरान को विजय पाने से इजराइल ही रोक रहा है। जेरुसलम में अमेरिका से आये यहूदी संगठनों के प्रतिनिधियों से नेतन्याहु ने बुधवार को बातचीत करते हुए ये बातें कहीं।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि इस समय दुनिया में केवल एक शक्ति है, जो ईरान से लड़ रही है। दुनिया को विजय प्राप्त करने से रोक रही है और वह शक्ति है इजराइल। अगर हम नहीं लड़ते, तो हम मर जाते। लेकिन यह सिर्फ हमारी लड़ाई नहीं है, यह स्वतंत्र विश्व की लड़ाई है और मैं कहूंगा कि यह सभ्य दुनिया की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई तानाशाही हैं और वे सभी बुरी हैं, लेकिन यह तानाशाही अलग है क्योंकि यह हमें अंधकार युग में धकेलना चाहती है। वे हमें और दूसरों को नष्ट करना चाहते हैं। सबसे पहले हमें, क्योंकि हम उनके मध्य पूर्व पर विजय प्राप्त करने के रास्ते में खड़े हैं, लेकिन वे पूरी दुनिया को गुलाम बनाना चाहते हैं और इसे वापस अंधकार युग में ले जाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि जब आप यहां एकजुटता में आते हैं, जिसका हम बहुत आभार व्यक्त करते हैं तो यह केवल यहूदी लोगों और यहूदी राज्य के साथ एकजुटता नहीं है, बल्कि यह सभ्यता के साथ एकजुटता है।

इस बैठक में प्रमुख अमेरिकी यहूदी संगठनों के सम्मेलन की अध्यक्ष हैरियट श्लाइफर, आगामी अध्यक्ष बेट्सी कॉर्न, सीईओ विलियम डारऑफ, और प्रधानमंत्री के प्रवक्ता डॉ। ओमर डोस्ट्रि सहित अन्य लोग शामिल थे।

इस बीच, प्राप्त जानकारी के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बुधवार को बात करने वाले हैं। बता दें कि इजराइल पिछले हफ्ते ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमले पर अपनी प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है। यह 21 अगस्त के बाद से उनकी पहली होगी। इससे पहले लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ भी हमला किया था। बाइडेन ने इजराइल को ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी है और देश के तेल प्रतिष्ठानों पर हमले के भी खिलाफ हैं। अपनी बातचीत के दौरान, बाइडेन ने नेतन्याहू से इस बारे में विवरण के लिए दबाव डालने की उम्मीद की है कि इजराइल, एक प्रमुख अमेरिकी सहयोगी, कैसे जवाबी कार्रवाई करने का इरादा रखता है।

अमेरिका में तबाही की दस्तक, तेजी से बढ़ रहा मिल्टन तूफान, 2 हजार से ज्यादा फ्लाइट रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तबाही ने एक बार फिर दस्तक दी है। इस बार वजह बनने जा रहा है मिल्टन तूफान जो 298 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से फ्लोरिडा तट की ओर बढ़ रहा है। इस तूफान की वजह से 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए पहले ही कह दिया था। अब तक 2 हजार से ज्यादा फ्लाइटें रद्द की जा चुकी हैं। राष्ट्रपति बाइडेन भी लगातार हालातों का जायजा ले रहे हैं।

अमेरिका में दो सप्ताह पहले तूफान हेलेन ने तबाही मचाई थी। अब मिल्टन कहर बरपाने आ रहा है। यह तूफान फ्लोरिडा के टैंपा खाड़ी की ओर बढ़ रहा है जो भीड़ भाड़ वाला इलाका है। अमेरिका के राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा है कि मिल्टन पश्चिमी मध्य फ्लोरिडा के लिए अब तक के सबसे विनाशकारी तूफ़ानों में से एक बन सकता है। अमेरिका में कहर बरपाने आ रहा तूफान मिल्टन अभी फ्लोरिडा से तकरीबन एक हजार किमी दूर है जो मैक्सिको की खाड़ी से गुजर रहा है। अमेरिका के नेशनल हेरिकेन सेंटर के मुताबिक इस तूफान को खतरे की फेज-5 श्रेणी में रखा गया है। जो बेहतर खतरनाक मानी जाती है। हालांकि माना जा रहा है कि ये टैंपा पहुंचने पर कमजोर पड़ जाएगा। इसके बाद अटलांटिक महासागर की तरफ बढ़ जाएगा।

फ्लोरिडा के तटीय इलाकों को कराया जा रहा खाली

तूफान मिल्टन के खतरे को देखते हुए फ्लोरिडा के तटवर्ती इलाकों को खाली कराया जा रहा है। प्रशासन ने यहां से 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने का निर्देश जारी कर दिया है। अब तक 5 लाख लोगों को वहां से निकाला भी जा चुका है। अन्य को भी निकालने का क्रम जारी है।

हेलेन तूफान ने मचाई थी तबाही

तूफान मिल्टन से पहले हाल ही में अमेरिका में तूफान हेलेन ने तबाही मचाई थी। इसमें तकरीबन 225 लोगों की मौत हुई थी। माना जा रहा है कि मिल्टन तूफान हेलेन से भी ज्यादा घातक है।

बाइडेन ने कही ये बात

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे जिंदगी और मौत का मामला बताया है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की है। बाइडेन ने कहा है कि यह फ्लोरिडा में एक सदी से अधिक समय में आने वाला सबसे विनाशकारी भूकंप हो सकता है।

दुर्गा पूजा पर बांग्लादेश ने किया ऐसा जो पहले कभी नहीं हुआ, यूनुस ने हिंदुओं से कही ये बात

यरुशलम, एजेंसी। अगस्त में तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर जमकर हमले और अत्याचार किए गए। इसकी दुनियाभर में आलोचना भी हुई। देश में कार्यवाहक सरकार बनने के बाद भी हमले जारी रहे। लेकिन प्रोफेसर मोहम्मद युनूस की अगुवाई में कार्यवाहक सरकार अपने देश की छवि सुधारने में लगी है। हिंदुओं को लेकर लगातार अपनी बात रख रही है। अब दुर्गा पूजा पर बांग्लादेश की सरकार ने अतिरिक्त छुट्टी देने का फैसला लिया है। यूनुस ने कहा कि दुर्गा पूजा हर किसी का त्योहार है।

हिंदुओं पर हमलों को लेकर लगातार आलोचनाओं का सामना कर रही बांग्लादेश सरकार ने देश में दुर्गा पूजा उत्सव के लिए अतिरिक्त छुट्टियों का ऐलान किया है, मुख्य सलाहकार

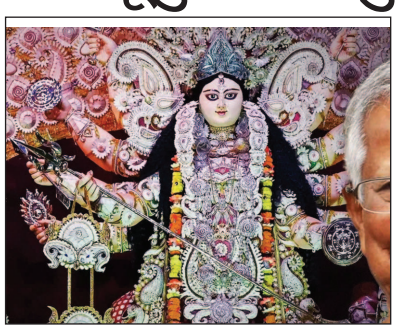

मुहम्मद यूनुस के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद ने समाचार एजेंसी एएनआई को इस फैसले के बारे में बताया। बांग्लादेश में करीब 9 प्रतिशत हिंदू आबादी रहती है, अगस्त में पीएम शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बाद अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हमले हुए हैं।

इस बीच देश के हिंदू समुदाय से जुड़े लोगों को दुर्गा पूजा के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश सांप्रदायिक सद्भाव वाला देश है। दुर्गा पूजा महज हिंदू समुदाय का त्योहार नहीं है... यह अब सभी के लिए एक त्योहार बन गया है। बुरी शक्तियों का विनाश और सत्य तथा सौंदर्य की पूजा इस त्योहार की अहम विशेषताएं हैं।" प्रोफेसर यूनुस ने यह भी कहा कि देश का संविधान सभी धर्मों और जातियों के लोगों को समान अधिकारों की गारंटी देता है। यह देश हम सभी का है। यह देश जाति और धर्म से परे सभी के लिए एक सुरक्षित घर है।

इतिहास में पहली बार बढ़ी छुट्टी

इससे एक दिन पहले कार्यवाहक सरकार की ओर से बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समूह की ओर से 8 सूत्रीय मांग जारी किए जाने के बाद अतिरिक्त छुट्टी का ऐलान किया गया है। प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद ने कहा, "पारंपरिक रूप से दुर्गा पूजा के लिए बांग्लादेश में एक दिन की छुट्टी हुआ करती थी, लेकिन इस बार 2 सार्वजनिक अवकाश होंगे और इसे वीकंड के 2 दिनों के साथ जोड़ा जाएगा, इस तरह से कुल मिलाकर दुर्गा पूजा के अवसर पर बांग्लादेश में 4 दिन की छुट्टी रहेगी।"

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त छुट्टी को जारी किए जाने वाले कार्यकारी आदेश के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। साथ ही आजाद ने यह भी कहा, "यूनुस सरकार ने बांग्लादेश में 5 अगस्त को हुए बदलाव के बाद हुए हमलों से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने का फैसला किया है।" दूसरी ओर, राजधानी ढाका में दुर्गा पूजा की तैयारियों में जुटे हिंदू लोग चाहते हैं कि त्योहार मनाने के दौरान वहां पर कड़ी सुरक्षा हो। एक स्थानीय निवासी ने एएनआई से कहा कि सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सुनिश्चित किया है कि पूजा के दौरान हादसा न हो। सेना प्रमुखों के साथ समन्वय देखा जा रहा है, जो सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों जैसे कि थाना और क्षेत्रीय स्तर पर संदेश भेज रहे हैं। "हमें उम्मीद है" कि सरकार, कानून प्रवर्तन एजेंट और सभी राजनीतिक दल भी पूजा में स्वयंसेवक के रूप में काम करने के लिए आ रहे हैं।

हरियाणा को केसी वेणुगोपाल ने बना दिया था अय्याशी का अड्डा, अपने महिला मित्रों की...पत्रकार के संगीन दावे से कांग्रेस में कलह मचना तय

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली शिकस्त से कांग्रेस पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। पार्टी को हार का अंदेशा नहीं था। हरियाणा को लेकर कांग्रेस पार्टी का कॉन्फिडेंस मानो इतना हाई की चुनाव आयोग भी कन्फ्यूज हो जाए कि हरियाणा में चुनाव कराने भी है या रहने दिया जाए। हरियाणा का अगला सीएम बनने के लिए भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी शैलेजा के बीच ऐसी खींचतान चल रही थी। लेकिन नतीजों से ऐसा उलटफेर किया कि सब बेमानी हो गया। कांग्रेस एक बार फिर बीजेपी के सामने सीधे मुकाबले में कमजोर साबित हुई। पिछले कुछ सालों से यह ट्रेंड लगातार चला आ रहा है। साथ ही इस हार ने कांग्रेस के बढ़ते ग्राफ पर अंकुश लगा दिया। अब कांग्रेस की हार को लेकर मंथन के दौर के बीच कई हैरान करने वाले खुलासे हो रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार ने कांग्रेस पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल को लेकर कई संगीन दावे किए हैं। वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े ने कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल पर बड़ा चौंकाने वाला आरोप लगाया है। पत्रकार वानखेड़े ने टिकट वितरण में कास्टिंग काउच का आरोप लगाते हुए पूछा कि क्या आपके लिए हरियाणा राज्य अय्याशी का अड्डा बन गया है? एक वीडियो में वो ये कहते हुए सुने जा सकते हैं कि केसी वेणु गोपाल की है कोई महिला सहयोगी, अब महिला है तो समझ जाओ। उसको टिकट पूरा हरियाणा मना कर रहा था फिर भी दिया गया। केसी वेणुगोपाल को जवाब देना चाहिए कि क्यों उन्होंने उस महिला का नाम वहां प्रपोज किया था। पत्रकार ने कहा कि वो पार्टी महासचिव संगठन हैं और उन्हें ज्यादा चिंता अपने महिला मित्रों की थी। उन्हें कैसे टिकट दिलवाऊं। अब इस मामले में बीजेपी हमलावर हो गई है। बीजेपी मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अशोक वानखेड़े वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के खिलाफ कास्टिंग काउच के अपने आरोप पर कायम हैं। कांग्रेस पार्टी की चुप्पी आरोपों को वैधता प्रदान कर रही है। मालवीय ने कहा कि इससे पहले, कांग्रेस की सिमी रोज़ बेल और हरियाणा से दो बार विधायक रहीं।

सीएम के दावे पर विज बोले: हाईकमान ने जिम्मेदारी दी तो प्रदेश को बनाएंगे नंबर-1, ईवीएम गड़बड़ी पर कांग्रेस पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अंबाला कैंट से सातवीं बार विधायक बनने के बाद अनिल विज के तेवर कुछ अलग ही नजर आ रहे हैं। उन्होंने वीरवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस हार गई है अब अपनी हार का संस्कार वो कैसे करते हैं यह उनके ऊपर है। वो जलाकर करते हैं या दबाकर करते हैं, जैसे भी करना है करें हार तो वो चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग में जाने के मामले पर विज ने कहा कि इसमें कुछ नहीं निकलने वाला, भाजपा जीत चुकी है और भाजपा की सरकार चंद दिनों में बनने जा रही है। अंबाला में माहौल को लेकर विज ने कहा कि काम तो कभी खत्म नहीं होते वह तो निरंतर चलते रहते हैं। कुतुब मीनार एक दिन में नहीं बनी, अब यह तो मूर्ख हैं, अब उनकी बुद्धि के ज्ञान का कोई कैप्सूल होगा तो लाऊंगा। हमने तो चुनाव जीतने के एक दिन बाद से ही विकास कार्यों पर काम शुरू कर दिया। सात बार मैं जीत चुका हूं आठवीं बार मैंने अब जीतने की तैयारी शुरू कर दी है।

मैं शहीदी स्मारक देखकर आया हूं और सभी को कहा है कि पूरी गति से साथ काम शुरू करें। मैंने दीपावली से पहले-पहले एयरपोर्ट से जहाज उड़ाने को कहा है। वहीं सीएम पद को लेकर विज ने कहा कि अभी उनकी किसी से बात नहीं चल रही है। जब पार्टी बात करेगी तब उनकी भी बात सुनेंगे और अपनी भी करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने पूरे चुनाव में जिम्मेदारी निभाई है। सभी चित्त हो गए थे मैंने ही मोराल बूस्ट कर के रखा। मैंने हर मुकाम पर यह बात की कि भाजपा ही अपने दम पर सरकार बनाएगी। एग्जिट पोल को भी मैंने नकारा, जिस दिन रुझान आए उस दिन कांग्रेस का हैड ऑफिस बैंडों से भरा पड़ा था तब भी मैंने कहा था कि भाजपा की सरकार आएगी। मैं राजनैतिक पंडित हूं, जनता की नब्ज जानता हूं। मैंने कभी सीएम बनाने को लेकर नहीं कहा हां, अगर पार्टी विचार करती है तो मैं हरियाणा को नंबर वन बनाने का काम करूंगा।

रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की मांग, महाराष्ट्र सरकार ने की सिफारिश

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने दिवंगत रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की मांग को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया है। प्रस्ताव में दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को भारत रत्न से सम्मानित करने की सिफारिश केंद्र सरकार से करने की मांग की गई है। दरअसल, आज एक बैठक में महाराष्ट्र कैबिनेट ने उद्योगपति रतन टाटा का नाम भारत रत्न पुरस्कार के लिए प्रस्तावित करने का फैसला किया है। महाराष्ट्र कैबिनेट ने आज एक शोक प्रस्ताव भी पारित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दिग्गज उद्योगपति को श्रद्धांजलि दी गई। रतन टाटा का बुधवार रात को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान एक शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिमंडल ने केंद्र से दिवंगत उद्योगपति को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने का अनुरोध करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया। टाटा को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया जा चुका है। प्रस्ताव में कहा गया कि उद्यमिता समाज के विकास के लिए एक प्रभावी तरीका है और नए उद्योग-धंधे स्थापित करके देश को प्रगति और विकास के पथ पर ले जाया जा सकता है। इसके लिए देशप्रेम और समाज के उत्थान के लिए ईमानदार भावना की भी जरूरत होती है। हमने एक दूरदर्शी नेता को खो दिया, जो देश और समाज के लिए प्रतिबद्ध थे। उद्योग के क्षेत्र में और समाज के उत्थान में टाटा की भूमिका अद्वितीय थी। उन्होंने उच्च नैतिकता, पारदर्शिता और अनुशासन के साथ स्वच्छ व्यवसाय प्रबंधन का पालन करते हुए सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने वैश्विक मंच पर टाटा समूह और देश के लिए एक अलग पहचान बनाई। प्रस्ताव के मुताबिक, रतन टाटा को 26/11 के आतंकी हमलों के बाद उनके दृढ़ संकल्प और कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में 1,500 करोड़ रुपये के योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कोरोना वायरस से ग्रसित रोगियों के लिए टाटा समूह के सभी होटल खोल दिए थे। मंत्रिमंडल महाराष्ट्र के लोगों की ओर से टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

सलमान, शाहरुख से लेकर रणबीर तक की ये 9 फिल्में थिएटर में मचाएंगी तहलका, आदित्य चोपड़ा ने की तगड़ी प्लानिंग

YRF आने वाले 3 सालों में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर, कियारा आडवाणी, आलिया भट्ट, शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, रणबीर कपूर और सलमान खान जैसे सितारों के साथ काम करेगा। इस दौरान YRF की 9 फिल्में आने वाली हैं।

यशराज फिल्म्स ने पिछले कुछ सालों में भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे बड़ी फिल्में बनाकर लोगों के दिलों में एक अलग जगह बना ली है। इस कंपनी के मालिक आदित्य चोपड़ा हैं और वो इस समय हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े प्रोड्यूसर माने जाते हैं। फैन्स यशराज फिल्म्स की पिक्चरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। ऐसे में इस प्रोडक्शन के फैन्स के लिए खुशी की खबर है। YRF स्टूडियो ने आने वाले 3 सालों में 9 फिल्मों का बड़ा लाइनअप सेट किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यशराज स्टूडियो की अगले तीन साल में 9 फिल्में रिलीज होंगी, इसकी पूरी तैयारी भी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें कुछ बड़े स्टार्स की भी फिल्में शामिल हैं। कोविड के बाद से यशराज लोगों के माइंड सेट को ध्यान में रखकर फिल्में बना रहा है। यशराज के इस लाइनअप की शुरुआत अगले साल यानी 2025 से हो जाएगी। ऐसे में चलिए हम आपको बताते हैं कि ये फिल्में कौन-कौन सी हैं।

कब होगी शुरुआत?

YRF स्लेट की शुरुआत फीचर फिल्म 'वॉर 2' से शुरू होगी। फिल्म में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर, कियारा आडवाणी और अनिल कपूर लीड रोल में हैं। इस फिल्म को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म 14 अगस्त 2025 को रिलीज होगी। इसके बाद क्रिसमस पर आलिया भट्ट, शरवरी, बॉबी देओल और अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'अल्फा' आएगी। शिव रवैल के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन का कैमियो भी है। इन दोनों फिल्मों की शूटिंग अभी चल रही है।

ये फिल्में होंगी रिलीज

2025 में ही मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक फिल्म भी रिलीज होगी। हालांकि इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है। इस फिल्म से अहान पांडे बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' की शूटिंग मार्च 2025 में शुरू हो सकती है। वहीं शाहरुख खान की 'पठान 2' की शूटिंग भी 2025 के लास्ट या 2026 की शुरुआत में शुरू होने का अनुमान है। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

'पठान 2' की स्क्रिप्ट श्रीधर राघवन ने तैयार कर ली है और कहा जा रहा है कि यह पहले से कहीं ज्यादा अच्छी होगी। इसके अलावा रणबीर कपूर स्टारर 'धूम 4' की भी कास्टिंग 2025 तक शुरू हो जाएगी। ये फिल्म 2027 में रिलीज होगी। अली अब्बास जफर भी वाईआरएफ के लिए एक कमर्शियल एक्शन ड्रामा पर काम कर रहे हैं। ये फिल्म 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी। 'टाइगर v/s पठान' भी वाईआरएफ की स्लेट पर है। इसके साथ ही इन तीन सालों में स्टूडियो की अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म भी रिलीज होगी।

आने वाली 9 फिल्मों का लाइनअप

वॉर 2 (2025 अगस्त) अल्फा (क्रिसमस 2025) मोहित सूरी की अगली फिल्म (2025) मर्दानी 3 (2026) पठान 2 (2027) धूम 4 (2027) अली अब्बास ज़फर की अगली फिल्म (2027) टाइगर वर्सज पठान अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म

सोफी चौधरी के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, थाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स से अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान एक्ट्रेस को स्पॉट किया। जहां उनका कातिलाना अंदाज और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

सोफी चौधरी का नाम मल्टीटेलेंटेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। वो अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान वो बेहद ही किलर लुक में नजर आईं।

फोटोज में आप देख सकते हैं सोफी चौधरी ने ऑरेंज कलर का थाई स्लिट गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके हर एक लुक को फैंस फॉलो करते हैं। सोफी चौधरी की हर एक

तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगती हैं।

सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

प्रभास के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी, संदीप वांगा रेड्डी की फिल्म स्पिरिट पर नया अपडेट

पैन इंडिया स्टार प्रभास की हर एक फिल्म का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। प्रशंसक प्रभास की हर एक फिल्म को लेकर जानकारी प्राप्त करते रहते हैं। कल्कि 2898 एडी की आपार सफलता के बाद प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस जानकारी से प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश होने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म स्पिरिट में प्रभास डबल रोल में नजर आएंगे। प्रभास एक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखेंगे, जबकि दूसरी भूमिका में वे मुख्य विलेन का किरदार निभाएंगे। यानी की प्रभास एक ही फिल्म में हीरो और खलनायक का रोल निभाते नजर आएंगे। प्रभास को डबल रोल में देखना उनके प्रशंसकों के लिए काफी रोमांचक और अनोखा अनुभव रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निगेटिव रोल में प्रभास की एंट्री फिल्म के इंटरवल के बाद होगी, जो कि फिल्म में एक महत्वपूर्ण मोड़ की शुरुआत को संकेत देगी।

एनिमल फिल्म से प्रसिद्धी हासिल कर चुके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा को उनके बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है। वहीं, प्रभास को

निगेटिव अवतार में देखना निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा। प्रभास और संदीप के प्रोजेक्ट स्पिरिट को लेकर यही अनुमान लगाया जा सकता है कि यह एक यादगार फिल्म होगी। हालांकि, प्रभास के डबल रोल को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस जानकारी ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक जिज्ञासा पैदा कर दी है। प्रभास का दोहरी भूमिका में आना दर्शकों की उम्मीदों को और भी बढ़ाता है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com